



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1331]

नई दिल्ली, बुधवार, दिसम्बर 21, 2005/अग्रहायण 30, 1927

No. 1331]

NEW DELHI, WEDNESDAY, DECEMBER 21, 2005/AGRAHAYANA 30, 1927

वित्त मंत्रालय
(आर्थिक कार्य विभाग)
(बीमा प्रभाग)
अधिसूचना

नई दिल्ली, 21 दिसम्बर, 2005

का.आ. 1792(अ).—केन्द्रीय सरकार, साधारण बीमा कारोबार (राष्ट्रीयकरण) अधिनियम, 1972 (1972 का 57) की धारा 17 क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए साधारण बीमा (अधिकारियों के वेतनमानों और सेवा की अन्य शर्तों का सुव्यवस्थीकरण) स्कीम, 1975 का और संशोधन करने के लिये निम्नलिखित स्कीम बनाती है, अर्थातः—

1.

- (1) इस स्कीम का संक्षिप्त नाम साधारण बीमा (अधिकारियों के वेतनमानों और सेवा की अन्य शर्तों का सुव्यवस्थीकरण) द्वितीय संशोधन स्कीम, 2005 है।
- (2) यह स्कीम, जैसा इस स्कीम में अन्यथा उपबन्धित है उसके सिवाय, 1 अगस्त 2002 से प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।
- (3) यह स्कीम उन अधिकारियों पर लागू होगी जो 1 अगस्त, 2002 को, या उसके पश्चात, निगम या कम्पनी की सेवा में थे:
परन्तु ऐसे अधिकारी जिनके त्यागपत्र 1 अगस्त, 2002 और इस स्कीम के प्रकाशन की तारीख के दौरान स्वीकार किये जा चुके हैं या जिनकी सेवायें इस दौरान समाप्त कर दी गयी हैं, इस स्कीम के अधीन पुनरीक्षण के मद्दे बकाया के लिये पात्र नहीं होंगे;
परन्तु, यह और कि वह अधिकारी जिन्होंने :—
क. कम्पनी के मामले में, साधारण बीमा अधिकारी विशेष स्वेच्छा सेवानिवृत्ति स्कीम, 2004 (का. आ. 7 (अ) तारीख 1 जनवरी, 2004); या
ख. निगम के मामले में, भारतीय साधारण बीमा निगम अधिकारी विशेष स्वेच्छा सेवानिवृत्ति स्कीम, 2004 (का. आ. 455 (अ) तारीख 1 अप्रैल, 2004)

के अधीन विशेष स्वेच्छा सेवानिवृत्ति माँगी थी और इस अधिसूचना की तारीख से पूर्व उसके अन्तर्गत सेवामुक्त किये जा चुके हैं वे यथास्थिति साधारण बीमा अधिकारी विशेष स्वेच्छा सेवानिवृत्ति स्कीम, 2004 या भारतीय साधारण बीमा निगम अधिकारी विशेष स्वेच्छा सेवानिवृत्ति स्कीम, 2004, के पैरा 5 के उपपैरा 2 के अन्तर्गत के अतिरिक्त, इस स्कीम से उद्भूत होने वाले किसी भी फायदे के लिये पात्र नहीं होंगे।

2. साधारण बीमा (अधिकारियों के वेतनमानों और सेवा की अन्य शर्तों का सुव्यवस्थीकरण), स्कीम, 1975 (जिसे इसमें इसके पश्चात "उक्त स्कीम" कहा गया है), के पैरा 4 में उपपैरा (8) के पश्चात निम्नलिखित उपपैरा अन्तःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :-

"(9) 1 अगस्त, 2002 से, प्रत्येक अधिकारी के वेतन और भत्ते इस स्कीम से संलग्न ग्यारहवीं अनुसूची के अनुसार होंगे:

परन्तु अधिकारी यह चयन कर सकेगा कि उसका मूल वेतन ग्यारहवीं अनुसूची के निबंधनानुसार, किसी ऐसी तारीख से प्रभावी हो जो इस स्कीम के प्रवृत्त होने की तारीख से पूर्वतर न हो और इस स्कीम के प्रकाशन की तारीख के पश्चात न हो, और ऐसी दशा में वह ऐसे चयन की सूचना लिखित रूप में ऐसी अवधि के भीतर, जो यथास्थिति निगम या कम्पनी के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक द्वारा विहित की जायेगी, निगम या कम्पनी को देगा:

परन्तु यह और कि ऐसे अधिकारी को, चयन की गयी ऐसी तारीख से पहले की अवधि के लिये कोई बकाया संदेय नहीं होगा।"

3. उक्त स्कीम में, पैरा 5 के उपपैरा (2) के पश्चात, निम्नलिखित उपपैरा अन्तःस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:-

"(3) इस स्कीम के प्रकाशन की तारीख से ही, निगम या कम्पनी के अधिकारी जो अभी तक नीचे दी गयी सारणी के स्तंभ (ख) में दर्शाये गये के अनुसार प्रवर्गीकृत है, उनको नीचे दी गयी सारणी के स्तंभ (ग) में दर्शाये गये के अनुसार क्रमशः पुनः प्रवर्गीकृत किया जायेगा :-

सारणी

क्रम सं.	निम्नानुसार अभी तक प्रवर्गीकृत	निम्नानुसार पुनः प्रवर्गीकृत
(क)	(ख)	(ग)
1	महाप्रबंधक	सोपान VII
2	सहायक महाप्रबंधक	सोपान VI
3	प्रबंधक	सोपान V
4	उप प्रबंधक	सोपान IV
5	सहायक प्रबंधक	सोपान III
6	प्रशासनिक अधिकारी	सोपान II
7	सहायक प्रशासनिक अधिकारी	सोपान I

परन्तु निगम या कम्पनी के विभिन्न कोटियों के कार्यालयों में तैनात विभिन्न सोपानों के अधिकारियों द्वारा निष्पादित कर्तव्यों की प्रकृति और कृत्यों को पालन करने की बाबत निगम या कम्पनी का निदेशक मण्डल उनके लिए ऐसे उपयुक्त पदनाम विनिर्दिष्ट कर सकेगा जो उनके कर्तव्यों की प्रकृति और कृत्यों को समुचित रूप से परिलक्षित करें।"

4. उक्त स्कीम में, पैरा 8 के स्थान पर निम्नलिखित पैरा रखा जायेगा, अर्थात् :-

"8 क. कार्य अभिलेख संतोषप्रद पाये जाने के अधीन रहते हुए, -

(क) सोपान I के ऐसे अधिकारी को, जो उसे लागू वेतनमान के अधिकतम तक पहुंच गया है, ऐसे अधिकतम तक पहुंचने के पश्चात की सेवा के प्रत्येक तीन पूर्ण वर्ष के लिये उसके वेतनमान में उसके द्वारा ली गयी अन्तिम वेतनवृद्धि के समतुल्य मूलवेतन में एक अतिरिक्त वृद्धि (जिसे 'वृद्धिमुद्द वेतनवृद्धि' कहा जायेगा) प्रदान की जायेगी किन्तु ऐसी वेतनवृद्धियां अधिकतम दो होंगी:

परन्तु ऐसा अधिकारी, जिसे 31 जुलाई, 2002 तक दसवीं अनुसूची के अनुसार वेतनमान में एक वृद्धिरुद्ध वेतनवृद्धि पहले ही प्रदान की जा चुकी है, उसका ग्यारहवीं अनुसूची के अनुसार संबद्ध वेतनमान में मूलवेतन ग्यारहवीं अनुसूची की मद II की सारणी ख के अनुसार वेतनमान के अधिकतम के तत्स्थानी एक चरण ऊपर नियत किया जायेगा;

परन्तु यह और कि किसी अधिकारी को द्वितीय वृद्धिरुद्ध वेतनवृद्धि, प्रथम वृद्धिरुद्ध वेतनवृद्धि प्राप्त करने की तारीख से तीन वर्ष पूर्ण करने के पश्चात या इस स्कीम के प्रकाशन की तारीख से आगामी मास की पहली तारीख, जो भी पश्चातवर्ती हो, से दी जायेगी;

(ख) सोपान II के किसी अधिकारी को, जो उसे लागू वेतनमान के अधिकतम तक पहुंच गया है, ऐसे अधिकतम पर पहुंचने के पश्चात की सेवा के प्रत्येक तीन पूर्ण वर्ष के लिये उसके वेतनमान में उसके द्वारा, अधिकतम चार ऐसी वेतनवृद्धि के अधीन रहते हुए, ली गयी अन्तिम वेतनवृद्धि के समतुल्य, मूलवेतन में एक अतिरिक्त वृद्धि (जिसे 'वृद्धिरुद्ध वेतनवृद्धि' कहा जायेगा) प्रदान की जायेगी;

परन्तु ऐसे अधिकारी जिन्हें 31 जुलाई, 2002 तक दसवीं अनुसूची के अनुसार वेतनमान में एक या दो या तीन वृद्धिरुद्ध वेतनवृद्धियां पहले ही प्रदान की जा चुकी है, उनका ग्यारहवीं अनुसूची के अनुसार संगत वेतनमान में मूलवेतन, ग्यारहवीं अनुसूची की मद II की सारणी ख के अनुसार वेतनमान के अधिकतम के तत्स्थानी एक या दो या तीन चरण ऊपर नियत किया जायेगा;

परन्तु यह और कि किसी अधिकारी को चौथी वृद्धिरुद्ध वेतनवृद्धि, तीसरी वृद्धिरुद्ध वेतनवृद्धि प्राप्त करने की तारीख से तीन वर्ष पूर्ण करने के पश्चात या इस स्कीम के प्रकाशन की तारीख से आगामी मास की पहली तारीख, जो भी पश्चातवर्ती हो, से दी जायेगी;

(ग) सोपान III के किसी अधिकारी को, जो उसे लागू वेतनमान के अधिकतम तक पहुंच गया है, ऐसे अधिकतम तक पहुंचने के पश्चात की सेवा के प्रत्येक तीन पूर्ण वर्ष के लिये उसके वेतनमान में उसके द्वारा ली गयी अन्तिम वेतनवृद्धि के समतुल्य मूलवेतन में, अधिकतम दो ऐसी वेतनवृद्धि के अधीन रहते हुए, एक अतिरिक्त वृद्धि (जिसे 'वृद्धिरुद्ध वेतनवृद्धि' कहा जायेगा) प्रदान की जायेगी;

परन्तु ऐसे अधिकारी जिन्हें 31 जुलाई, 2002 तक दसवीं अनुसूची के अनुसार वेतनमान में एक वृद्धिरुद्ध वेतनवृद्धि पहले ही प्रदान की जा चुकी है, उनका ग्यारहवीं अनुसूची के अनुसार संबद्ध वेतनमान में मूलवेतन ग्यारहवीं अनुसूची की मद II की सारणी ख के अनुसार वेतनमान के अधिकतम के तत्स्थानी एक चरण ऊपर नियत किया जायेगा;

परन्तु यह और कि किसी भी अधिकारी को द्वितीय वृद्धिरुद्ध वेतनवृद्धि, प्रथम वृद्धिरुद्ध वेतनवृद्धि प्राप्त करने की तारीख से तीन वर्ष पूर्ण करने के पश्चात या इस स्कीम के प्रकाशन की तारीख से आगामी मास की पहली तारीख, जो भी पश्चातवर्ती हो, से दी जायेगी;

स्पष्टीकरण: इस पैरा के प्रयोजन के लिये 'सेवा' से ड्यूटी की अवधि अभिप्रेत है जिस में असाधारण छुट्टी की अवधि या अवधियां सम्मिलित नहीं है।"

5. उक्त स्कीम में, पैरा 9 के स्पष्टीकरण में, खण्ड (iii) में, उपखण्ड (ख) के पश्चात निम्नलिखित उपखण्ड अन्तःस्थापित किया जायेगा, अर्थात:-

"(खख) अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक से भिन्न किसी अधिकारी के मामले में ग्यारहवीं अनुसूची के अनुसार 1 अगस्त, 2002 से आरम्भ होने वाली अवधि के लिए।"

6. उक्त स्कीम में, दसवीं अनुसूची के पश्चात, निम्नलिखित अनुसूची अन्तःस्थापित की जायेगी, अर्थात:-

[illegible]

सारणी ख (पैरा 8 क देखिये) मूलवेतन - वृद्धिरुद्ध चरणों का नियतन (रुपये अंकों में)					
सोपान I		सोपान II		सोपान III	
विद्यमान	पुनरीक्षित	विद्यमान	पुनरीक्षित	विद्यमान	पुनरीक्षित
14375	21470	15095	22590	16635	25280
		15455	23150		
		15815	23710		

टिप्पण: उपर्युक्त सारणियों में 'विद्यमान मूल वेतन' से दसवीं अनुसूची के अनुसार यथालागू मूल वेतन अभिप्रेत है।

III. मंहगाई भत्ता:

अधिकारियों के लिये लागू मंहगाई भत्ते का मापमान निम्न अनुसार अवधारित किया जायेगा:-

सूचकांक : औद्योगिक कर्मकारों के लिये अखिल भारतीय उपभोक्ता औसत मूल्य सूचकांक।

आधार : 1960 = 100 की श्रृंखला में सूचकांक संख्यांक 2328

मंहगाई भत्ते की दर : 2328 अंकों से ऊपर त्रैमासिक औसत में चार अंक की प्रत्येक वृद्धि के लिये मंहगाई भत्ते की संगणना मूल वेतन के 0.18 प्रतिशत की दर से की जायेगी।

मंहगाई भत्ते का पुनरीक्षण : मंहगाई भत्ते का पुनरीक्षण, त्रैमासिक आधार पर प्रत्येक चार अंकों की वृद्धि या कमी के लिए किया जायेगा।

(2) अखिल भारतीय उपभोक्ता औसत मूल्य सूचकांक में 2328 अंकों से ऊपर त्रैमासिक औसत (जिसे इसमें इसके पश्चात "चालू औसत अंक" के रूप में निर्दिष्ट किया गया है) पर 2328-2332-2336-2340 इत्यादि की श्रृंखला में प्रत्येक चार अंकों की वृद्धि के लिये, संदेय मंहगाई भत्ते का ऊपर की ओर पुनरीक्षण होगा और चालू औसत अंक ऊपर उस श्रृंखला के, जिस के प्रतिनिर्देश में अन्तिम पूर्ववर्ती तिमाही के लिये मंहगाई भत्ता संदत्त किया गया है, सूचकांक में, चार अंक की कमी होती है तो मंहगाई भत्ते का नीचे की ओर पुनरीक्षण होगा। नीचे की ओर पुनरीक्षण पर, यदि ऐसा चालू औसत अंक ऊपर श्रृंखला में का कोई अंक है तो संदेय मंहगाई भत्ता उस चालू औसत अंक के समरूप होगा और यदि ऐसा चालू औसत अंक ऊपर श्रृंखला में का कोई अंक नहीं है तो संदेय मंहगाई भत्ता ऊपर श्रृंखला में के उस अंक के समरूप होगा जो चालू औसत अंक से ठीक पहले है।

(3) इंडियन लेबर जर्नल या भारत का राजपत्र, इनमें से जो भी प्रकाशन पूर्वतर उपलब्ध हो, में यथाप्रकाशित अंतिम सूचकांक, वह सूचकांक होगा जिसे मंहगाई भत्ते की संगणना के प्रयोजन के लिए लिया जायेगा।

(4) किसी विशिष्ट तिमाही के लिए चालू औसत अंक में परिवर्तनों के तत्समान मंहगाई भत्ते का पुनरीक्षण, केवल तिमाही की समाप्ति के आगामी दूसरे उत्तरवर्ती मास से प्रभावी होगा।

स्पष्टीकरण: इस मद के प्रयोजनों के लिए "तिमाही" मद से मार्च, जून, सितम्बर या दिसम्बर के अंतिम दिन को समाप्त होने वाली तीन मास की अवधि अभिप्रेत है।

IV मकान किराया भत्ता:

(1) 1 अगस्त, 2002 से अधिकारियों को संदेय मकान किराया भत्ता नीचे सारणी में यथादर्शित होगा :-

सारणी

क्रम सं.	तैनाती का स्थान (1)	प्रतिमास दर (2)
1.	मुम्बई, नवी मुम्बई, कोलकाता, नई दिल्ली, फ़रीदाबाद, गाज़ियाबाद, नोएडा, गुडगांव और चेन्नई के नगर	वेतन का 10% अधिकतम 1,600/- रुपये प्रतिमास के अधीन रहते हुए
2.	क्रम सं. 1. में वर्णित शहरों को छोड़कर, 12 लाख से अधिक जनसंख्या वाले शहर, गांधी नगर, गोवा राज्य के सभी शहर	वेतन का 8% अधिकतम 1,350/- रुपये प्रतिमास के अधीन रहते हुए
3.	अन्य सभी स्थान	वेतन का 7% अधिकतम 1,300/- रुपये प्रतिमास के अधीन रहते हुए

टिप्पण: (1) इस मद के प्रयोजनों के लिए जनसंख्या के आंकड़े वे होंगे जो नवीनतम जनगणना रिपोर्ट के अनुसार हों ।

(2) शहरों में उनकी नगर बस्तियां भी सम्मिलित होंगी ।

(3) 'वेतन' से मूल वेतन और पैरा 8 क के अनुसार वृद्धिरुद्ध वेतनवृद्धियां अभिप्रेत हैं ।

(2) ऐसे अधिकारी जिन्हें निगम या कम्पनी द्वारा निवास स्थान आबंटित किया गया है, ऐसे स्थान के लिए ऐसी समुचित अनुज्ञप्ति फ़ीस का संदाय करेंगे, जिसे समय समय पर निगम या कम्पनी द्वारा विनिश्चित किया जाये और वे इस मद की उप मद (1) के निबंधनों के अनुसार मकान किराया भत्ते के हकदार नहीं होंगे ।

V. नगर प्रतिकर भत्ता:

1 अगस्त, 2002 से अधिकारियों को संदेय नगर प्रतिकर भत्ता नीचे दर्शायी गयी सारणी के अनुसार होगा :-
सारणी

क्रम सं.	तैनाती का स्थान (1)	प्रतिमास दर (2)
1.	मुम्बई, नवी मुम्बई, कोलकाता, नई दिल्ली, फ़रीदाबाद, गाज़ियाबाद, नोएडा, गुडगांव और चेन्नई के नगर	वेतन का 3% अधिकतम 500/- रुपये प्रतिमास के अधीन रहते हुए
2.	क्रम सं. 1. में वर्णित शहरों को छोड़कर, 12 लाख से अधिक जनसंख्या वाले शहर, गांधी नगर, गोवा राज्य के सभी शहर	वेतन का 2.5% अधिकतम 470/- रुपये प्रतिमास के अधीन रहते हुए
3.	ऐसे शहर जिनकी जनसंख्या 5 लाख और उस से अधिक है, किन्तु 12 लाख से कम है, 12 लाख से कम जनसंख्या वाली राजधानियां, चण्डीगढ़, मोहाली, पंचकुला, पाण्डिचेरी एवं पोर्टब्लेयर	वेतन का 2% अधिकतम 335/- रुपये प्रतिमास के अधीन रहते हुए

टिप्पण: (1) इस मद के प्रयोजनों के लिए जनसंख्या के आंकड़े वे होंगे जो नवीनतम जनगणना रिपोर्ट के अनुसार हों ।

(2) शहरों में उनकी नगर बस्तियां भी सम्मिलित होंगी ।

(3) 'वेतन' से मूल वेतन और पैरा 8 क के अनुसार वृद्धिरुद्ध वेतनवृद्धियां अभिप्रेत हैं ।

VI. पर्वतीय स्थान भत्ता:

इस स्कीम के प्रकाशन की तारीख के अनुगामी मास की पहली तारीख से अधिकारियों को संदेय पर्वतीय स्थान भत्ता नीचे दर्शायी गयी सारणी के अनुसार होगा :-

सारणी

क्रम सं.	तैनाती के स्थान की ऊँचाई (औसत समुद्र तल से ऊपर) (1)	दर (2)
1.	1500 मीटर और अधिक	मूल वेतन का 2.5% अधिकतम 335/- रुपये प्रतिमास के अधीन रहते हुए
2.	1000 मीटर और अधिक, किन्तु 1500 मीटर से कम, मर्करा और ऐसे स्थान जिन्हें केन्द्रीय / राज्य सरकारों द्वारा अपने कर्मचारियों के लिए विनिर्दिष्ट रूप से पर्वतीय स्थान घोषित किया गया है	मूल वेतन का 2% अधिकतम 270/- रुपये प्रतिमास के अधीन रहते हुए
3.	750 मीटर से कम नहीं और 1000 मीटर और अधिक की ऊँचाई वाली पहाड़ियों से घिरे और केवल उनके माध्यम से पहुँचे जा सकने वाले स्थान	मूल वेतन का 2% अधिकतम 270/- रुपये प्रतिमास के अधीन रहते हुए

VII किट भत्ता:

प्रत्येक अधिकारी को, किसी ऐसे पर्वतीय स्थान पर उस का स्थानांतरण होने पर, जिस के लिए इस अनुसूची के मद VI के निबन्धनों के अनुसार पर्वतीय स्थान भत्ता संदेय है, 2000 रुपये किट भत्ते का संदाय किया जाएगा :

परन्तु यदि ऐसे अधिकारी ने ऐसा भत्ता पहले किसी भी समय लिया है, तो उसे किट भत्ते का संदाय नहीं किया जायेगा।

VIII नियत वैयक्तिक भत्ता :

1अगस्त, 2002 से प्रभावी, नियत वैयक्तिक भत्ता अधिकारियों को नीचे दी गयी सारणी के स्तंभ (2) के अनुसार संदेय होगा:-

सारणी

क्रम सं.	अधिकारी का 01.11.1993 को वेतनमान	पुनरीक्षित नियत वैयक्तिक भत्ता (एफ. पी. ए)	आठवीं अनुसूची के मद VIII के अनुसार नियत वैयक्तिक भत्ते का वेतनवृद्धि वाला भाग	01-11-1993 को आठवीं अनुसूची के मद VIII के अनुसार नियत वैयक्तिक भत्ते के वेतनवृद्धि वाले भाग पर मंहगाई भत्ता
	(1)	(2)	(3)	(4)
		रु.	रु.	रु.
1.	सोपान VII	995	400	10.08
2.	सोपान VI	785	300	7.56
3.	सोपान V	725	250	6.30
4.	सोपान IV	650	250	6.30
5.	सोपान III	650	250	6.30
6.	सोपान II	560	230	5.80
7.	सोपान I	560	230	5.80

टिप्पण: ऊपर दिये स्तंभ (2) में दिखाया गया पुनरीक्षित नियत वैयक्तिक भत्ता (एफ. पी. ए) किसी भी भत्ते या किसी भी सेवा या सेवानिवृत्ति फ़ायदे के लिए अर्हित नहीं होगा। तथापि, आठवीं अनुसूची के अनुसार नियत वैयक्तिक भत्ते का वेतन वृद्धि वाला भाग जो ऊपर स्तंभ (3) में दिखाया गया है भविष्य निधि और पेंशन के लिए रैंक में लिया जायेगा और इस वेतन वृद्धि भाग को, उस पर स्तंभ (4) में दर्शाये 1.11.1993 को मंहगाई भत्ते सहित, उपदान और अर्जित छुट्टी के नकदीकरण के लिए रैंक में लिया जायेगा।

IX परिवहन भत्ता :

दसवीं अनुसूची की मद X के अनुसार अधिकारियों को एक सौ पचास रुपये प्रतिमास की दर से संदेय सवारी भत्ता, 1 अगस्त, 2002 से पांच सौ रुपये प्रतिमास की पुनरीक्षित दर से संदेय होगा और इसे 'परिवहन भत्ता' के नाम से पुनःनामित किया जायेगा।

X पारादीप पत्तन भत्ता:

इस स्कीम के प्रकाशन की तारीख के आगामी मास की पहली तारीख या नियुक्ति की तिथि, जो भी पश्चातवर्ती हो, से कम्पनी के पारादीप पोर्ट कार्यालय में तैनात प्रत्येक पृष्ठ अधिकारी को जब तक वह उस कार्यालय में तैनात रहता है तब तक की अवधि के लिए पचहत्तर रुपये प्रतिमास भत्ते के रूप में संदेय होंगे। यह भत्ता किसी भी प्रयोजन के लिए मूल वेतन के रूप में नहीं माना जायेगा।”।

[फा. सं. 2(4)/2005-बीमा III (i)]

जी. सी. चतुर्वेदी, संयुक्त सचिव (बैंकिंग एवं बीमा)

स्पष्टीकारक ज्ञापन

केन्द्रीय सरकार ने इस अधिसूचना में यथाविनिर्दिष्ट तारीखों से निगम और कम्पनियों के अधिकारियों के वेतन मान और सेवा शर्तों को पुनरीक्षित करने का अनुमोदन दे दिया है। तदनुसार उक्त अधिसूचना में यथाविनिर्दिष्ट तारीखों से साधारण बीमा (अधिकारियों के वेतनमानों और सेवा की अन्य शर्तों का सुव्यवस्थीकरण) स्कीम, 1975 का संशोधन किया गया है।

यह प्रमाणित किया जाता है कि इस अधिसूचना को भूतलक्षी प्रभाव देने से निगम या कम्पनियों के किसी भी अधिकारी पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है।

टिप्पण: - मूल स्कीम अधिसूचना संख्या का. आ.521 (अ) तारीख 17 सितम्बर, 1975 को प्रकाशित की गयी थी और इसे तत्पश्चात अधिसूचना संख्या का. आ.672(अ) तारीख 21.11.1975, का. आ.389(अ) तारीख 1.6.1976, का. आ.2445 तारीख 30.7.1977, का. आ.1047 तारीख 29.3.1978, का. आ.2110 तारीख 14.6.1978, का. आ.3428 तारीख 16.11.1978, का. आ.5 तारीख 20.12.1978, का. आ.770(अ) तारीख 15.10.1985, का. आ.883(अ) तारीख 9.12.1985, का. आ. 442(अ) तारीख 27.4.1987, का. आ. 138(अ) तारीख 29.1.1988, का. आ. 782(अ) तारीख 22.8.1988, का. आ. 572(अ) तारीख 25.7.1989, का. आ. 751(अ) तारीख 1.10.1990, का. आ. 200(अ) तारीख 10.3.1992, का. आ. 81(अ) तारीख 2.2.1994, का. आ. 592(अ) तारीख 30.06.1995, का. आ. 521(अ) तारीख 18.07.1996, का. आ. 108 (अ) तारीख 14.02.1997, का. आ. 168(अ) तारीख 5.3.1998, का. आ. 729(अ) तारीख 27.8.1998, का. आ. 695(अ) तारीख 30.08.1999, का. आ. 587(अ) तारीख 22.6.2000, का. आ. 781 (अ) तारीख 14.8.2001, का. आ. 1027(अ) तारीख 22.9.2004 और का. आ. 634(अ) तारीख 4.5.2005 द्वारा संशोधित किया गया।

MINISTRY OF FINANCE**(Department of Economic Affairs)****(INSURANCE DIVISION)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 21st December, 2005

S.O. 1792(E).—In exercise of the powers conferred by section 17 A of the General Insurance Business (Nationalisation) Act, 1972 (57 of 1972), the Central Government hereby frames the following Scheme further to amend the General Insurance (Rationalisation of Pay Scales and other Conditions of Service of Officers) Scheme, 1975, namely :-

1.

- (1) This Scheme may be called the General Insurance (Rationalisation of Pay Scales and other Conditions of Service of Officers) Second Amendment Scheme, 2005.
- (2) Save as otherwise provided in this Scheme, this Scheme shall be deemed to have come into force on the 1st day of August, 2002.
- (3) This Scheme shall be applicable to those Officers who were in the service of the Corporation or Company as on, or after, the 1st day of August, 2002:

Provided that the officers, whose resignations had been accepted or whose services had been terminated during the period from the 1st day of August, 2002 and the date of publication of this Scheme, shall not be eligible for the arrears on account of revision under this Scheme:

Provided further that the officers, who had sought Special Voluntary Retirement under, -

- a. the General Insurance Officers' Special Voluntary Retirement Scheme, 2004 (S.O. 7(E) dated the 1st January, 2004), in the case of Company; or
- b. the General Insurance Corporation of India Officers' Special Voluntary Retirement Scheme, 2004 (S.O. 455 (E) dated the 1st April, 2004), in the case of Corporation,

and have been relieved thereunder prior to the date of this notification, shall not be eligible for any benefit arising from this Scheme other than that provided for by sub-paragraph 2 of paragraph 5 of the General Insurance Officers' Special Voluntary Retirement Scheme, 2004, or, the General Insurance Corporation of India Officers' Special Voluntary Retirement Scheme, 2004, as the case may be.

2. In the General Insurance (Rationalisation of Pay Scales and other Conditions of Service of Officers) Scheme, 1975 (hereinafter referred to as "the said Scheme"), in paragraph 4, after sub-paragraph (8), the following sub-paragraph shall be inserted, namely : -

"(9) With effect from the 1st day of August, 2002, the pay and allowances of every officer shall be in accordance with the Eleventh Schedule appended to this Scheme:

Provided that the officer may choose that his basic pay may be fixed in terms of the Eleventh Schedule with effect from any date not earlier than the date on which the said Scheme comes into force and not later than the date of publication of this Scheme, in which case he shall intimate such choice in writing to the Corporation or Company within such period as may be prescribed by the Chairman-cum-Managing Director of the Corporation or Company, as the case may be:

Provided further that no arrears for the period prior to the date so chosen shall be payable to such officer.”.

3. In the said Scheme, in paragraph 5, after sub-paragraph (2), the following sub-paragraph shall be inserted, namely:-

“ (3) With effect from the date of publication of this Scheme, officers in the Corporation or Company hitherto categorized as shown in column (b) of the Table below shall be re-categorized respectively as shown in column (c) of the Table given below:-

TABLE

Sl.No.	Hitherto categorized as	Re-categorized as
(a)	(b)	(c)
1	General Manager	Scale VII
2	Assistant General Manager	Scale VI
3	Manager	Scale V
4	Deputy Manager	Scale IV
5	Assistant Manager	Scale III
6	Administrative Officer	Scale II
7	Assistant Administrative Officer	Scale I

Provided that the Board of the Corporation or Company, having regard to the nature of duties and functions performed by officers of various Scales posted in the offices of different denominations of the Corporation or Company, may prescribe suitable designations to them so as to appropriately reflect their nature of duties and functions.”.

4. In the said Scheme, for paragraph 8A, the following paragraph shall be substituted, namely:-

“8A. Subject to the work record being found satisfactory, -

- a) an officer in Scale I, who has reached the maximum of the scale of pay applicable to him, may be granted for every three completed years of service after reaching such maximum, an additional increment (called ‘Stagnation Increment’) equal to the last increment drawn by him in the scale of pay subject to a maximum of **two** such increments:

Provided that an officer, who has already been granted, as on the 31st day of July, 2002, one Stagnation Increment in the scale of pay as per the Tenth Schedule, his basic pay in the relevant scale of pay as per the Eleventh Schedule shall be fixed at the corresponding one stage above the maximum of the scale of pay as per Table B, in Item II of the Eleventh Schedule:

Provided further that the **second** Stagnation Increment shall be granted to an officer, after the completion of three years from the date of receipt of first Stagnation Increment or, from the 1st day of the month following the date of publication of this Scheme, whichever is later;

- b) an officer in Scale II, who has reached the maximum of the scale of pay applicable to him, may be granted for every three completed years of service after reaching such maximum, an additional increment (called ‘Stagnation Increment’) equal to the last increment drawn by him in the scale of pay, subject to a maximum of **four** such increments:

Provided that an officer, who has already been granted, as on the 31st day of July, 2002, one, or two, or three Stagnation Increment or Increments in the scale of pay as per the Tenth Schedule, his basic pay in the relevant scale of pay as per the Eleventh Schedule shall be fixed at the corresponding one, or

two, or three stage or stages above the maximum of the scale of pay as per Table B, in Item II of the Eleventh Schedule:

Provided further that the fourth Stagnation Increment shall be granted to an officer, after the completion of three years from the date of receipt of the third stagnation increment or, from the 1st day of the month following the date of publication of this Scheme, whichever is later;

- c) an officer in Scale III, who has reached the maximum of the scale of pay applicable to him, may be granted for every three completed years of service after reaching such maximum, an additional increment (called 'Stagnation Increment') equal to the last increment drawn by him in the scale of pay, subject to the maximum of two such increments:

Provided that an officer, who has already been granted, as on the 31st day of July, 2002, one Stagnation Increment in the scale of pay as per the Tenth Schedule, his basic pay in the relevant scale of pay as per the Eleventh Schedule shall be fixed at the corresponding one stage above the maximum of the scale of pay as per Table B, in Item II of the Eleventh Schedule:

Provided further that the second Stagnation Increment shall be granted to an officer, after the completion of three years from the date of receipt of the first Stagnation Increment or, from the 1st day of the month following the date of publication of this Scheme, whichever is later.

Explanation: For the purpose of this paragraph, 'service' means the period of duty excluding period or periods of extraordinary leave."

5. In the said Scheme, in paragraph 9, in the Explanation, in clause (iii), after sub-clause (b), the following sub-clause shall be inserted, namely:-

"(bb). In the case of officers other than the Chairman-cum-Managing Director, for the period commencing on the 1st day of August, 2002, as per Eleventh Schedule."

6. In the said Scheme, after the Tenth Schedule, the following Schedule shall be inserted, namely:-

"ELEVENTH SCHEDULE

[See paragraph 4 sub-paragraph (9)]

I. Pay Scales (Basic Pay) :

- (1) Scale VII
Rs.31745-785(2)-33315-850(1)-34165-940(1)-35105-995(1)-36100
- (2) Scale VI
Rs.28605-785(5)-32530
- (3) Scale V
Rs.25930-650(3)-27880-725(2)-29330
- (4) Scale IV
Rs. 22030-650(7)-26580
- (5) Scale III
Rs.18130-540(1)-18670-560(6)-22030-650(4)-24630
- (6) Scale II
Rs.14890-540(7)-18670-560(6)-22030
- (7) Scale I
Rs.11110-540(14)-18670-560(4)-20910

II. Fixation of the Basic Pay and Stagnation Stages:**TABLE - A**
Fixation of the Basic Pay

(Figures in Rupees)

Scale I		Scale II		Scale III		Scale IV		Scale V		Scale VI		Scale VII	
Existing Basic Pay	Revised Basic Pay	Existing Basic Pay	Revised Basic Pay	Existing Basic Pay	Revised Basic Pay	Existing Basic Pay	Revised Basic Pay	Existing Basic Pay	Revised Basic Pay	Existing Basic Pay	Revised Basic Pay	Existing Basic Pay	Revised Basic Pay
7535	11110	10055	14890	12215	18130	14735	22030	17150	25930	19000	28605	21200	31745
7895	11650	10415	15430	12575	18670	15095	22680	17600	26580	19550	29390	21750	32530
8255	12190	10775	15970	12935	19230	15480	23330	18050	27230	20100	30175	22300	33315
8615	12730	11135	16510	13295	19790	15865	23980	18500	27880	20650	30960	22900	34165
8975	13270	11495	17050	13655	20350	16250	24630	19000	28605	21200	31745	23600	35105
9335	13810	11855	17590	14015	20910	16700	25280						
9695	14350	12215	18130	14375	21470	17150	25930						
10055	14890	12575	18670	14735	22030								
10415	15430	12935	19230	15095	22680								
10775	15970	13295	19790	15480	23330								
11135	16510	13655	20350	15865	23980								
11495	17050	14015	20910	16250	24630								
11855	17590	14375	21470										
12215	18130	14735	22030										
12575	18670												
12935	19230												
13295	19790												
13655	20350												
14015	20910												

TABLE - B
[see Paragraph 8A]
Fixation of Basic Pay – Stagnation Stages

(Figures in Rupees)

Scale I		Scale II		Scale III	
Existing	Revised	Existing	Revised	Existing	Revised
14375	21470	15095	22590	16635	25280
		15455	23150		
		15815	23710		

Note: The term 'Existing Basic Pay' in the above tables shall mean the basic pay as applicable in accordance with the Tenth Schedule.

III. Dearness Allowance:

(1) The scale of dearness allowance applicable to the officers shall be determined as under: -

Index : All India Average Consumer Price Index for Industrial Workers

Base : Index No.2328 in the series 1960 = 100

Rate of dearness allowance: - For every four points in the quarterly average over 2328 points, the dearness allowance shall be calculated at the rate of 0.18 per cent of Basic Pay.

Revision of dearness allowance: - Revision of dearness allowance may be made on quarterly basis for every four points rise or fall.

(2) There shall be an upward revision of the dearness allowance payable for every four points rise in the quarterly average (hereinafter referred to as the "current average figure") of the All India Consumer Price Index above 2328 points in the sequence 2328-2332-2336-2340 and so on and there shall be downward revision of the dearness allowance payable if the current average figure falls by four points below the index figure in the above sequence with reference to which the dearness allowance has been paid for the last preceding quarter. On the downward revision, the dearness allowance payable shall correspond to the current average figure if such current average figure is a figure in the above sequence and if such current average figure is not a figure in the above sequence, the dearness allowance payable shall correspond to the figure in the above sequence immediately preceding the current average figure.

(3) The final index figures as published in the Indian Labour Journal or the Gazette of India, whichever publication is available earlier, shall be the index figure which shall be taken for the purpose of calculation of dearness allowance.

(4) The revision in dearness allowance corresponding to the changes in the current average figure for any particular quarter shall take effect only from the second succeeding month following the end of the quarter.

Explanation - For the purposes of this item, 'quarter' shall mean a period of three months ending on the last day of the month of March, June, September or December.

IV. House Rent Allowance:

- (1) With effect from the 1st day of August, 2002, the House Rent Allowance payable to officers shall be as shown in the Table below:

Table

Sl. No.	Place of posting (1)	Rate per month (2)
1.	Cities of Mumbai, Navi Mumbai, Calcutta, New Delhi, Faridabad, Ghaziabad, NOIDA, Gurgaon, and Chennai	10% of pay subject to maximum of Rs.1,600/- per month
2.	Cities with population exceeding 12 lacs except the cities mentioned at serial number 1, Gandhinagar and all cities in the State of Goa	8% of pay subject to maximum of Rs.1,350/- per month
3.	All other places	7% of pay subject to maximum of Rs.1,300/- per month

Note: (1) For the purposes of this item, the population figures shall be as per the latest

Census Report.

(2) Cities shall include their Urban Agglomeration.

(3) 'Pay' means Basic Pay and Stagnation Increments as per paragraph 8A.

- (2) Officers who are allotted residential accommodation by the Corporation or Company shall pay for such accommodation, appropriate licence fee as may be decided by the Corporation or the Company from time to time and shall not be entitled to House Rent Allowance in terms of sub-item (1) of this item.

V. City Compensatory Allowance:

With effect from the 1st day of August, 2002, the City Compensatory Allowance payable to officers shall be as shown in the Table below :-

Table

Sl. No.	Place of posting (1)	Rate (2)
1.	Cities of Mumbai, Navi Mumbai, Calcutta, New Delhi, Faridabad, Ghaziabad, NOIDA, Gurgaon, and Chennai	3% of pay subject to a maximum of Rs.500/- per month
2.	Cities with population exceeding 12 lacs, except cities mentioned in serial number 1, Gandhinagar and all cities in the State of Goa	2.5% of pay subject to a maximum of Rs.470/- per month
3.	Cities with population of 5 lacs and above but not exceeding 12 lacs, State capitals with population not exceeding 12 lacs, Chandigarh, Mohali, Panchkula, Pondicherry, Port Blair	2% of pay subject to a maximum of Rs.335/- per month

Note: (1) For the purposes of this item, the population figures shall be as per the latest Census Report.

(2) Cities shall include their Urban Agglomeration.

(3) 'Pay' means Basic Pay and Stagnation increments as per paragraph 8A.

VI. Hill Station Allowance:

With effect from the 1st day of the month following the date of publication of this Scheme, Hill Station Allowance payable to officers shall be as shown in the Table below :-

Table

Sl. No.	Height of Place of posting (Above Mean Sea Level) (1)	Rate (2)
1.	1500 meters and over	2.5% of the Basic Salary subject to maximum of Rs.335/- per month
2.	1000 meters and over but less than 1500 meters, Mercara and places which are specifically declared as "Hill Stations" by Central/ State Governments for their employees	2% of the Basic Salary subject to maximum of Rs.270/- per month
3.	Not less than 750 meters and surrounded by and accessible only through hills with a height of 1000 meters and over	2% of Basic Salary subject to a maximum of Rs.270/- per month

VII. Kit Allowance:

Every officer on his transfer to any of the hill stations at which hill station allowance is payable in terms of item VI of this Schedule, shall be paid a Kit Allowance of Rs.2,000/- :

Provided that no Kit Allowance shall be payable if such officer has drawn such allowance at any time earlier.

VIII. Fixed Personal Allowance :

With effect from the 1st day of August, 2002, the Fixed Personal Allowance payable to officers shall be as shown in column (2) of the Table below:-

Table

Sl No.	Officers in the scale of pay of, as on 1.11.1993	Revised Fixed Personal Allowance (FPA)	Increment Portion of Fixed Personal Allowance as per Item VIII of the Eighth Schedule	Dearness Allowance on Increment Portion of Fixed Personal Allowance as per Eighth Schedule as on 01-11-1993
	(1)	(2)	(3)	(4)
		Rs.	Rs.	Rs.
1.	Scale VII	995	400	10.08
2.	Scale VI	785	300	7.56
3.	Scale V	725	250	6.30
4.	Scale IV	650	250	6.30
5.	Scale III	650	250	6.30
6.	Scale II	560	230	5.80
7.	Scale I	560	230	5.80

Note: The revised Fixed Personal Allowance (FPA) as shown in column (2) above shall not qualify for any allowance or for any service or terminal benefits. However, the Increment Portion of FPA as per the Eighth Schedule as shown in column (3) above shall rank for Provident Fund and Pension, and the said Increment Portion along with Dearness Allowance thereon as on the 1st November, 1993 as shown in column (4) above shall rank for Gratuity and Encashment of Earned Leave.

IX. Transport Allowance:

With effect from the 1st day of August, 2002, the Conveyance Allowance payable to officers at the rate of Rupees one hundred and fifty per month as per Item X of the Tenth Schedule shall stand revised to Rupees Five Hundred per month and shall be renamed as 'Transport Allowance'.

X. Paradeep Port Allowance:

With effect from the 1st day of the month following the date of publication of this Scheme or the date of appointment, whichever is later, every confirmed officer posted in the office of the Company in Paradeep Port shall be paid an allowance of Rupees Seventy Five per month so long as he is posted in that office. This allowance shall not be treated as Basic Pay for any purpose."

[F. No. 2(4)/2005-Ins. III (i)]

G. C. CHATURVEDI, Jt. Secy. (Banking & Insurance)

EXPLANATORY MEMORANDUM

1. The Central Government has accorded approval to revise the scales of pay and conditions of service of Officers in the Corporation and Companies with effect from the dates specified in the notification. The General Insurance (Rationalisation of Pay Scales and Other Conditions of Service of Officers), Scheme, 1975 is amended accordingly with effect from the dates as specified in the notification.

2. It is certified that no officer of the Corporation or Companies is likely to be affected adversely by the notification being given retrospective effect.

NOTE: - The Principal Scheme was published vide notification No.S.O.521 (E) dated the 17th September, 1975 and subsequently amended by notification No. S.O. 672(E) dated 21.11.1975, S.O. 389(E) dated 1.6.1976, S.O. 2445 dated 30.7.1977, S.O. 1047 dated 29.3.1978, S.O. 2110 dated 14.6.1978, S.O. 3428 dated 16.11.1978, S.O. 5 dated 20.12.1978, S.O. 770(E) dated 15.10.1985, S.O. 883(E) dated 9.12.1985, S.O. 442(E) dated 27.4.1987, S.O. 138(E) dated 29.1.1988, S.O. 782(E) dated 22.8.1988, S.O. 572(E) dated 25.7.1989, S.O. 751(E) dated 1.10.1990, S.O. 200(E) dated 10.3.1992, S.O. 81(E) dated 2.2.1994, S.O. 592(E) dated 30.06.1995, S.O. 521(E) dated 18.07.1996, S.O. 108 (E) dated 14.02.1997, S.O. 168(E) dated 5.3.1998, S.O. 729(E) dated 27.8.1998, S.O. 695(E) dated 30.08.1999, S.O. 587(E) dated 22.6.2000, S.O. 781 (E) dated 14.8.2001, S.O. 1027(E) dated 22.9.2004 and S.O. 634(E) dated 4.5.2005.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 21 दिसम्बर, 2005

का.आ. 1799(अ).—केन्द्रीय सरकार, साधारण बीमा कारोबार (राष्ट्रीयकरण) अधिनियम, 1972 (1972 का 57), की धारा 17 क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए साधारण बीमा (पर्यवेक्षकीय, लिपिकीय और अधीनस्थ कर्मचारीवृन्द के वेतनमानों और सेवा की अन्य शर्तों का सुव्यवस्थीकरण और पुनरीक्षण) स्कीम, 1974 का और संशोधन करने के लिये निम्नलिखित स्कीम बनाती है, अर्थात:-

1.

- (1) इस स्कीम का संक्षिप्त नाम साधारण बीमा (पर्यवेक्षकीय, लिपिकीय और अधीनस्थ कर्मचारीवृन्द के वेतनमानों और सेवा की अन्य शर्तों का सुव्यवस्थीकरण और पुनरीक्षण) द्वितीय संशोधन स्कीम, 2005 है।
- (2) जैसा इस स्कीम में अन्यथा उपबंधित है उसके सिवाय, यह स्कीम 1 अगस्त 2002 से प्रभावी समझी जायेगी।
- (3) यह स्कीम उन सभी कर्मचारियों पर लागू होगी जो 1 अगस्त, 2002 को, या उसके पश्चात, निगम या कम्पनी के पर्यवेक्षकीय, लिपिकीय और अधीनस्थ कर्मचारीवृन्द काडों में पूर्णकालिक सेवा में थे:

परन्तु वह कि ऐसे कर्मचारी जिनके त्यागपत्र 1 अगस्त, 2002 और इस स्कीम के प्रकाशन की तारीख के दौरान स्वीकार किये जा चुके हैं या जिन की सेवायें इस दौरान समाप्त कर दी गयी हैं, इस स्कीम के अन्तर्गत पुनरीक्षण के कारण बकाया के लिये पात्र नहीं होंगे:

परन्तु यह और कि वह कर्मचारी जिन्होंने :-

क. कम्पनी के मामले में, साधारण बीमा कर्मचारी विशेष स्वेच्छा सेवानिवृत्ति स्कीम, 2004

(का. आ. 8 (अ) तारीख 1 जनवरी, 2004) ; या

ख. निगम के मामले में भारतीय साधारण बीमा निगम कर्मचारी विशेष स्वेच्छा सेवानिवृत्ति स्कीम, 2004 (का. आ. 454 (अ) तारीख 1 अप्रैल, 2004)

के अधीन विशेष स्वेच्छा सेवानिवृत्ति मांगी थी और इस अधिसूचना की तारीख से पूर्व उस के अन्तर्गत सेवामुक्त किये जा चुके हैं वे यथास्थिति साधारण बीमा कर्मचारी विशेष स्वेच्छा सेवानिवृत्ति स्कीम, 2004 या भारतीय साधारण बीमा निगम कर्मचारी विशेष स्वेच्छा सेवानिवृत्ति स्कीम, 2004 के पैरा 5 के उपपैरा 2 के अन्तर्गत प्रदत्त फ़ायदों के अतिरिक्त, इस स्कीम से उत्पन्न होने वाले किसी भी फ़ायदे के लिये पात्र नहीं होंगे।

- (4) इस स्कीम में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी कोई कर्मचारी इस स्कीम के प्रकाशन से पहले वह जिस अतिकालिक भत्ते के लिये पात्र था, वह उससे अधिक पाने का पात्र नहीं होगा।

2. साधारण बीमा (पर्यवेक्षकीय, लिपिकीय और अधीनस्थ कर्मचारीवृन्द के वेतनमानों और सेवा की अन्य शर्तों का सुव्यवस्थीकरण और पुनरीक्षण) स्कीम, 1974 (जिसे इस में इसके पश्चात "उक्त स्कीम" कहा गया है), के पैरा 3 में, "निगम" की परिभाषा से संबंधित खण्ड (खक) के पश्चात "(खक) अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक से अधिनियम की धारा 9 के अधीन गठित भारतीय साधारण बीमा निगम का अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक अभिप्रेत है" के स्थान पर 1 फ़रवरी, 2005 से प्रभावी निम्नलिखित खण्ड रखा जायेगा, अर्थात :-

"(खख) अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक से अधिनियम की धारा 16 की उपधारा 2 में निर्दिष्ट चारों कम्पनियों के किसी भी अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक अभिप्रेत है, और 1 फ़रवरी 2005 से अधिनियम की धारा 9 के अधीन गठित भारतीय साधारण बीमा निगम के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक भी अभिप्रेत है।"

3. उक्त स्कीम में, पैरा 3 में, खण्ड (चघ) के पश्चात निम्नलिखित खण्ड अन्तःस्थापित किये जायेंगे, अर्थात:-

'(चग) " पुर्नउपांतरित निबंधन" से आठवीं अनुसूची में यथाविनिर्दिष्ट पुर्नउपांतरित वेतनमान और भत्ते अभिप्रेत है:

(चघ) " पुर्नउपांतरित वेतनमान" से आठवीं अनुसूची में यथाविनिर्दिष्ट पुर्नउपांतरित वेतनमान अभिप्रेत है; "

4. उक्त स्कीम के पैरा 4 में उपपैरा(11) के पश्चात निम्नलिखित उपपैरा अन्तःस्थापित किये जायेंगे, अर्थात:-

"(12) 1 अगस्त, 2002 से, प्रत्येक कर्मचारी के वेतन और भत्ते पुर्नउपांतरित निबंधनों के अनुसार होंगे । उस तारीख को सेवा में प्रत्येक कर्मचारी का मूल वेतन और उस तारीख के पश्चात किन्तु इस स्कीम के प्रकाशित होने की तारीख से पूर्व नियुक्त प्रत्येक कर्मचारी का मूल वेतन पैरा 6च के उपबंधों के अनुसार पुर्नउपांतरित वेतनमान के अनुसार होगा;

(13) ऐसे प्रत्येक कर्मचारी को जिसका मूल वेतन इस स्कीम के पैरा 6च के उपबंधों के अनुसार पुर्नउपांतरित वेतनमान में नियत किया गया है, पुर्नउपांतरित वेतनमान में नियतन की तारीख से, 1 अगस्त, 2002 या उसकी नियुक्ति की तारीख से प्रारम्भ होने वाली अवधि के लिए या उस तारीख से जिससे उसने इस स्कीम के उपबंधों द्वारा शासित होने का विकल्प लिया है, इनमें जो पश्चातवर्ती हों, मूल वेतन, वैयक्तिक वेतन, यदि कोई है, मंहगाई भत्ता और अन्य भत्तों में (कर्मचारी का भविष्य निधि में अनिवार्य अंशदान की कटौती के पश्चात) " पुर्नउपांतरित निबंधनों" और "उपांतरित निबंधनों", जो उस पर लागू हों, के बीच का अंतर संदेय किया जायेगा:

परन्तु -

(क) ऐसा कर्मचारी जो 1 अगस्त, 2002 के पश्चात सेवानिवृत्त हो गया, उसकी सेवानिवृत्ति की तारीख तक की अवधि के लिये उपपैरा(13) में यथाविनिर्दिष्ट रकम के अंतर को उपदान की राशि के अंतर, यदि कोई है, जो इस स्कीम से उद्भूत हुआ है, के साथ संदेय किया जायेगा ;

(ख) ऐसे कर्मचारी के मामले में जिसकी सेवा में रहते हुए 1 अगस्त, 2002 को या उसके पश्चात मृत्यु हो गई थी, उपपैरा(13) में यथाविनिर्दिष्ट रकम का अंतर, उसकी मृत्यु की तारीख तक की अवधि के लिए उस व्यक्ति को संदेय किया जायेगा जिसे उसकी भविष्य निधि संदत्त की गई थी या की जायेगी और उपदान की राशि का अंतर, यदि कोई है, जो इस स्कीम से उद्भूत हुआ है, उस व्यक्ति को संदत्त किया जाएगा जिसे उसकी उपदान की राशि संदेय की गई थी या की जायेगी:

परन्तु यह और कि ऐसे कर्मचारी के संबंध में जो 1 अगस्त, 2002 को या उसके पश्चात पर्यवेक्षकीय, लिपिकीय और अधीनस्थ कर्मचारीवृन्द काडर से अधिकारी काडर में प्रोन्नत हुआ है या उसे विकास अधिकारी के रूप में संपरिवर्तित कर दिया गया है, ऊपर निर्दिष्ट रकम का अंतर (उपदान रकम के अंतर को छोड़कर) अधिकारी के रूप में उसकी प्रोन्नति या विकास अधिकारी के रूप में संपरिवर्तन की तारीख तक, पुर्नउपांतरित निबंधनों में उसके मूल वेतन के सैद्धांतिक नियतन के आधार पर संदत्त किया जायेगा ।

स्पष्टीकरण : उपपैरा(13) के प्रयोजनों के लिए 'अन्य भत्ते' पद से किसी कर्मचारी की यथाअनुज्ञेय मकान किराया भत्ता, नगर प्रतिकर भत्ता, कृत्यकारी भत्ता, पर्वतीय स्थान भत्ता, स्नातक भत्ता, तकनीकी अर्हता भत्ता, सवारी भत्ता, पारादीप पत्तन भत्ता और नियत वैयक्तिक भत्ता अभिप्रेत है । " ।

6. उक्त स्कीम में, पैरा 6ड. के पश्चात निम्नलिखित पैरा अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात:-

* 6च. पुर्नउपांतरित वेतनमान में मूल वेतन और भत्तों का नियतन:

(क) 1 अगस्त, 2002 को सेवारत तथा इस स्कीम के प्रकाशन की तारीख को या उसके पश्चात सेवा में बने रहने वाले प्रत्येक कर्मचारी का वेतनमान और अन्य भत्ते पुर्नउपांतरित निबंधनों के अनुसार इस प्रकार होंगे कि वह निम्न तारीखों से पूर्वतर न हो:-

- (i) पर्वतीय स्थल भत्ता और पारादीप पत्तन भत्ता के लिये इस स्कीम के प्रकाशन की तारीख के अगले मास की पहली तारीख; और
- (ii) मूलवेतन और अन्य भत्तों के लिये 1 अगस्त, 2002।

(ख) ऐसे प्रत्येक कर्मचारी के मामले में जिस पर यह स्कीम लागू होती है, उसका वेतनमान और अन्य भत्ते पुर्नउपांतरित निबंधनों के अनुसार ऐसी तारीख से होंगे जो ऊपर उपपैरा(क) में उल्लिखित तारीख या नियुक्ति की तारीख, इन में से जो पश्चातवर्ती हो, के पूर्वतर न हो।

(ग) उपपैरा(क) और उपपैरा (ख) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, कोई कर्मचारी यह विकल्प ले सकेगा कि उसका वेतनमान और अन्य भत्ते आठवीं अनुसूची (पुर्नउपांतरित निबंधन) के अंतर्गत यथास्थिति सारणी। क या। ख के अनुसार उपपैरा (क) में उल्लिखित तारीखों से या उसके पश्चात किसी तारीख से जो कि इस स्कीम के प्रकाशन की तारीख या उससे पूर्व हो, नियत किए जायें, जिसके लिए वह लिखित में अपना विकल्प यथास्थिति निगम या कम्पनी को विहित अवधि के भीतर सूचित करेगा।

परन्तु यह कि ऐसे कर्मचारी को 1 अगस्त, 2002 से ऐसी चयन की गई तारीख तक की अवधि के लिए कोई बकाया संदेय नहीं होगा।

परन्तु यह और कि 1 अगस्त, 2002 से इस स्कीम के प्रकाशन की तारीख तक के बकाया की सगणना करते समय यदि भविष्य निधि की कटौती के पश्चात उपांतरित कुल मासिक परिलब्धियों और भविष्य निधि के कटौती के पश्चात पुर्नउपांतरित कुल मासिक परिलब्धियों के बीच का शुद्ध अंतर ऋणात्मक है तो उस पर ध्यान नहीं दिया जायेगा।"।

6. उक्त स्कीम में, पैरा 7 में, उपपैरा(2) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जायेगा, अर्थात:-

"(2) ऐसे कर्मचारी के संबंध में जिसका मूलवेतन 1 अगस्त, 2002 को या इस स्कीम के प्रकाशन की तारीख को पैरा 6च के अधीन पुर्नउपांतरित वेतनमान में अधिकतम पर नियत किया गया है और ऐसे कर्मचारी के संबंध में जो अपनी सेवा अवधि के दौरान उसके पश्चात किसी समय पुर्नउपांतरित वेतनमान के अधिकतम पर पहुंच जायेगा, ऐसा अधिकारी जो सहायक प्रबंधक ((साधारण बीमा (अधिकारियों के वेतनमानों और सेवा की अन्य शर्तों का सुव्यवस्थीकरण) द्वितीय संशोधन स्कीम, 2005 के अंतर्गत सोपान III के रूप में पनर्पदनामित) के रैंक से नीचे का न हो और जिसे इस निमित्त निगम या कम्पनी द्वारा प्राधिकृत किया गया हो, कर्मचारी का कार्य अभिलेख संतोषप्रद पाये जाने पर, निम्नलिखित के लिए विचार कर सकेगा।

(क) यथास्थिति, सहायक, अभिलेख लिपिक, चालक या अन्य अधीनस्थ कर्मचारीवृन्द के वेतनमान में प्रत्येक ऐसे कर्मचारी को उसके द्वारा पुर्नउपांतरित वेतनमान में अधिकतम पर पहुंचने के बाद की गई निरंतर सेवा के प्रत्येक दो वर्ष के लिए उस के द्वारा ली गई अंतिम वेतनवृद्धि की दर पर, ऐसी अधिकतम छह वेतनवृद्धियों के अधीन रहते हुए, एक वेतनवृद्धि मंजूर करना:

परन्तु यह कि, ऐसे कर्मचारियों के संबंध में, जिन्हें 31 जुलाई, 2002 तक उपांतरित वेतनमान में एक, दो, तीन, चार या पांच वृद्धिरुद्ध वेतनवृद्धियां पहले ही प्रदान की जा चुकी हैं, उनका मूल वेतन आठवीं अनुसूची की सारणी। ख में यथादर्शित संबद्ध पुर्नउपांतरित वेतनमान के अधिकतम के तत्स्थानी एक, दो, तीन, चार या पांच चरण ऊपर नियत किया जायेगा:

परन्तु यह और कि किसी भी कर्मचारी को छठी वृद्धिरुद्ध वेतनवृद्धि, पांचवीं वृद्धिरुद्ध वेतनवृद्धि प्राप्त करने की तारीख से दो वर्ष पूर्ण करने के पश्चात या इस स्कीम के प्रकाशन की तारीख से आगामी मास की पहली तारीख, जो भी पश्चातवर्ती हो, से दी जायेगी;

(ख) वरिष्ठ सहायक या आशुलिपिक के वेतनमान में प्रत्येक ऐसे कर्मचारी को उसके द्वारा की गई निरंतर सेवा के प्रत्येक तीन वर्ष के लिए पुनर्उपांतरित वेतनमान में अधिकतम पर पहुंचने पर उस के द्वारा ली गई अंतिम वेतनवृद्धि की दर पर, ऐसी अधिकतम पाँच वेतनवृद्धियों के अधीन रहते हुए, एक वेतनवृद्धि मंजूर करना:

परन्तु यह कि, ऐसे कर्मचारियों के संबंध में, जिन्हें 31 जुलाई, 2002 तक उपांतरित वेतनमान में एक, दो, तीन, या चार वृद्धिरुद्ध वेतनवृद्धियाँ पहले ही प्रदान की जा चुकी हैं, उनका मूल वेतन आठवीं अनुसूची की सारणी 1 ख में यथादर्शित संबद्ध पुनर्उपांतरित वेतनमान के अधिकतम के तत्स्थानी एक, दो, तीन या चार चरण ऊपर नियत किया जायेगा:

परन्तु यह और कि किसी भी कर्मचारी को पाँचवीं वृद्धिरुद्ध वेतनवृद्धि, चौथी वृद्धिरुद्ध वेतनवृद्धि प्राप्त करने की तारीख से तीन वर्ष पूर्ण करने के पश्चात या इस स्कीम के प्रकाशन की तारीख से आगामी मास की पहली तारीख, जो भी पश्चातवर्ती हो, से दी जायेगी।

स्पष्टीकरण: इस पैरा के प्रयोजनों के लिए "निरंतर सेवा" से ऐसी कर्तव्य अवधि अभिप्रेत है जिसमें असाधारण छुट्टी सम्मिलित नहीं हैं।"

7. उक्त स्कीम में, पैरा 8 के स्थान पर निम्नलिखित पैरा रखा जायेगा, अर्थात:-

"8. कार्य के घंटे -

(1) इस स्कीम के प्रकाशन की तारीख से आगामी मास की पहली तारीख से पाँच पूर्ण दिवसों वाले सप्ताह में कुल कार्य-घंटे इस प्रकार होंगे:-

क्रम सं.	काडर	कार्य-घंटे
(i)	ज्येष्ठ सहायक, आशुलिपिक, सहायक और अभिलेख लिपिक के काडर में सभी कर्मचारियों के लिये	छत्तीस घंटे और तीस मिनट जिस में दैनिक भोजनावकाश के तीस मिनट सम्मिलित नहीं हैं
(ii)	उपपैरा(2) में जो निर्दिष्ट है को छोड़कर अधीनस्थ कर्मचारीवृन्द के काडर में बाकी सभी कर्मचारियों के लिये	उनतालीस घंटे और तीस मिनट जिस में दैनिक भोजनावकाश के तीस मिनट सम्मिलित नहीं हैं

(2) अधीनस्थ कर्मचारीवृन्द जैसे ड्राइवर, लिफ्टमैन, सफ़ाई कर्मचारी, चौकीदार, इलेक्ट्रिशियन, प्लम्बर और माली के लिए छः पूर्ण दिवसों वाले सप्ताह में कुल कार्य-घंटे अड़तालीस घंटे होंगे।

(3) उपपैरा (1) और उपपैरा (2) में विहित अधिकतम साप्ताहिक कार्य-घंटों के अधीन रहते हुए, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, समय-समय पर, प्रत्येक कार्यालय और कर्मचारी के लिए सप्ताह के कार्य दिवसों की संख्या एवं दैनिक कार्य-घंटों की संख्या, जैसा आवश्यक समझा जाए, निर्धारित कर सकते हैं।"

8. उक्त स्कीम में, पैरा 9 के पश्चात निम्नलिखित परंतुक, 1 जनवरी, 2006 से, अंतःस्थापित हुआ समझा जायेगा, अर्थात:-

"परन्तु, परक्राम्य लिखित अधिनियम, 1881 के अधीन मिलने वाले इन अवकाशों के अतिरिक्त, कर्मचारी को वर्ष दर वर्ष केन्द्रीय सरकार द्वारा घोषित किये गए निबंधित अवकाशों की सूची में से, एक कैलेंडर वर्ष में अपनी इच्छानुसार चुने हुए अधिकतम दो निबंधित अवकाश लेने की अनुमति प्रदान की जा सकती है, परन्तु कर्मचारी ऐसे चयन की सूचना निगम या कम्पनी को संबद्ध कैलेंडर वर्ष के आरम्भ होने से पूर्व दे।"

9. उक्त स्कीम में, पैरा 10 में, 1 जनवरी, 2006 से,

(क) उपपैरा(2) में खण्ड (ड.) में,

- (1) उपखण्ड (i) में से "और अतिरिक्त आकस्मिक छुट्टी" शब्दों का लोप किया जायेगा;
- (2) उपखण्डों (v) और (vi) में से "अतिरिक्त आकस्मिक छुट्टी" शब्दों का लोप किया जायेगा;

(ख) उपपैरा (3) के खण्ड (क) के स्पष्टीकरण में से "और अतिरिक्त आकस्मिक छुट्टी" शब्दों का लोप किया जायेगा;

(ग) उपपैरा(4) में,

- (1) खण्ड (क) में अंक '15' के स्थान पर अंक '12' रखा जायेगा;
- (2) खण्ड (ख) का लोप किया जायेगा;
- (3) खण्ड (ग) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड रखा जायेगा, अर्थात:-
 " (ग) उपपैरा(2) के खण्ड (ड.) के उपबंधों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े बिना, आकस्मिक छुट्टियां लगातार पाँच से अधिक दिनों के लिए मंजूर नहीं की जायेंगी। " ;
- (4) खण्ड (घ) में से "और अतिरिक्त आकस्मिक छुट्टी" शब्दों का लोप किया जायेगा;
- (5) खण्ड (ड.) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड रखा जायेगा, अर्थात:-
 "(ड.) आकस्मिक छुट्टी आधे दिन के लिए मंजूर नहीं की जायेगी। "
- (6) खण्ड (च) का लोप किया जायेगा।

10. उक्त स्कीम में, पैरा 11 के स्पष्टीकरण में, खण्ड (iii) के पश्चात, निम्नलिखित खण्ड अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात:-

" (iv) 1 अगस्त, 2002 से आरंभ होने वाली अवधि के लिए पुनर्उपांतरित निबंधनों के अनुसार संगणित की जायेगी। "

11. उक्त स्कीम में, पैरा 18 के स्थान पर निम्नलिखित पैरा रखा जायेगा, अर्थात:-

" 18. स्थानांतरण और कार्यस्थल में परिवर्तन-

- (1) प्रत्येक कर्मचारी, उसी कार्यालय में एक विभाग से दूसरे विभाग में, उसी स्टेशन पर एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय में तथा यथास्थिति कम्पनी अथवा निगम की आवश्यकता पूरी करने के लिए एक स्टेशन से दूसरे स्टेशन को, कम्पनी अथवा निगम के मण्डल द्वारा अनुमोदित और समय समय पर संशोधित स्थानांतरण और गतिशीलता नीति, जिसमें अन्य बातों के साथ निम्नलिखित भी होगा, के अनुसार स्थानांतरण के लिए दायी होगा:-

- (क) एक स्टेशन से दूसरे स्टेशन को ऐसा कोई भी स्थानांतरण 150 किलो मीटर की परिधि में सीमित होगा;
- (ख) दूसरे स्टेशन को इस प्रकार स्थानांतरित कर्मचारी तीन वर्ष की अवधि के पश्चात रक्तियां उपलब्ध होने के अधीन तैनाती के मूल स्टेशन पर या अपने इच्छित स्थान पर स्थानांतरण के लिये विचार के लिए योग्य होगा;
- (ग) एक स्टेशन से दूसरे स्टेशन को इस प्रकार स्थानांतरित कर्मचारी को ऐसे स्थानांतरण (जो न तो अनुरोध-स्थानांतरण और न ही प्रोन्नति पर तैनाती हो) पर तैनाती की अवधि के दौरान 400 रुपये प्रतिमास की दर से एक भत्ता, जिसे 'विस्थापन भत्ता' कहा जायेगा, संदेय होगा। इसके अतिरिक्त, कर्मचारी ऐसे स्थानांतरण से पहले जो मकान किराया भत्ता और / या नगर प्रतिकर भत्ता पा रहा था, स्थानांतरण की अवधि के दौरान वह सुरक्षित रहेगा।

- (2) उपपैरा(1) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक या उनके द्वारा प्राधिकृत कोई अन्य अधिकारी, किसी कर्मचारी को उसी कार्यालय में एक विभाग से दूसरे विभाग में या यथास्थिति कम्पनी अथवा निगम के एक कार्यालय से क्रमशः उसी कम्पनी या निगम के उसी स्टेशन या दूसरे स्टेशन पर दूसरे कार्यालय में, उपपैरा(1) के खण्ड (ग) के अधीन दिये गये फ़ायदों सहित या उनके बिना स्थानांतरित कर सकता है।

12. उक्त स्कीम में, सातवीं अनुसूची के पश्चात, निम्नलिखित अनुसूची अंतःस्थापित की जायेगी, अर्थात:-

**“आठवीं अनुसूची
पैरा 3 (चग) और (चघ) देखिए**

I. पुर्नउपांतरित वेतनमान:

क. पर्यवेक्षकीय और लिपिकीय कर्मचारीवृन्द

(1) ज्येष्ठ सहायक

6885-485(4)-8825-540(15)-16925 रु

(2) आशुलिपिक

6885-485(4)-8825-540(15)-16925 रु

(3) सहायक, टंकक, टेलीफोन आपरेटर, टेलेक्स आपरेटर, स्वागतकर्ता, पंच कार्ड आपरेटर, एकक अभिलेख मशीन आपरेटर, कांम्पटिस्ट और अन्य समतुल्य पद
4995-285(1)-5280-310(2)-5900-350(5)-7650-405(2)-8460-490(3)-9930-510(2)-10950-540(5)-13650 रु.

(4) अभिलेख लिपिक

4665-190(2)-5045-210(5)-6095-225-6320-250(2)-6820-280(3)-7660-310(5)-9210-345(3)-10245 रु.

ख. अधीनस्थ कर्मचारीवृन्द

(1) चालक

4665-190(2)-5045-205(14)-7915-220(2)-8355-250(3)-9105 रु.

(2) अन्य-अधीनस्थ कर्मचारीवृन्द

4105-165(5)-4930-175(8)-6330-205-6535-210(3)-7165-250(2)-7665 रु.

मूलवेतन और वृद्धिरुद्ध चरणों का नियतन निम्नलिखित सारणियों के अनुसार होगा:-

1क. मूलवेतन का नियतन.

सारणी

(रुपये अंकों में)

ज्येष्ठ सहायक / आशुलिपिक		सहायक		अभिलेख लिपिक		चालक		अन्य-अधीनस्थ कर्मचारीवृन्द	
विद्यमान मूल वेतन	पुनरीक्षित मूल वेतन	विद्यमान मूल वेतन	पुनरीक्षित मूल वेतन	विद्यमान मूल वेतन	पुनरीक्षित मूल वेतन	विद्यमान मूल वेतन	पुनरीक्षित मूल वेतन	विद्यमान मूल वेतन	पुनरीक्षित मूल वेतन
4655	6885	3385	4995	3165	4665	3165	4665	2790	4105
4940	7370	3570	5280	3285	4855	3285	4855	2900	4270
5225	7855	3775	5590	3405	5045	3405	5045	3010	4435
5510	8340	3980	5900	3540	5255	3540	5250	3120	4600
5795	8825	4205	6250	3675	5465	3675	5455	3230	4765
6155	9365	4430	6600	3810	5675	3810	5600	3340	4930
6515	9905	4655	6950	3945	5885	3945	5865	3455	5105
6875	10445	4880	7300	4080	6095	4080	6070	3570	5280
7235	10985	5105	7650	4225	6320	4215	6275	3685	5455
7595	11525	5375	8055	4390	6570	4350	6480	3800	5630
7955	12065	5645	8460	4555	6820	4485	6685	3915	5805
8315	12605	5945	8950	4740	7100	4620	6890	4030	5980
8675	13145	6245	9440	4925	7380	4755	7095	4145	6155
9035	13685	6545	9930	5110	7660	4890	7300	4260	6330
9395	14225	6870	10440	5305	7970	5025	7505	4395	6535
9755	14765	7195	10950	5500	8280	5160	7710	4530	6745
10115	15305	7555	11490	5695	8590	5295	7915	4665	6955
10475	15845	7915	12030	5890	8900	5430	8135	4800	7165
10835	16385	8275	12570	6100	9210	5595	8355	4965	7415
11195	16925	8635	13110	6310	9555	5760	8605	5130	7665
		8995	13650	6520	9900	5925	8855		
				6755	10245	6090	9105		

1ख. मूलवेतन - वृद्धिरुद्ध चरणों का नियतन.

[पैरा 7, उपपैरा(2) देखिये]

सारणी

(रुपये अंकों में)

ज्येष्ठ सहायक / आशुलिपिक		सहायक		अभिलेख लिपिक		चालक		अन्य-अधीनस्थ कर्मचारीवृन्द	
विद्यमान मूल वेतन	पुनरीक्षित मूल वेतन	विद्यमान मूल वेतन	पुनरीक्षित मूल वेतन	विद्यमान मूल वेतन	पुनरीक्षित मूल वेतन	विद्यमान मूल वेतन	पुनरीक्षित मूल वेतन	विद्यमान मूल वेतन	पुनरीक्षित मूल वेतन
11555	17465	9355	14190	6990	10590	6255	9355	5295	7915
11915	18005	9715	14730	7225	10935	6420	9605	5460	8165
12275	18545	10075	15270	7460	11280	6585	9855	5625	8415
12635	19085	10435	15810	7695	11625	6750	10105	5790	8665
		10795	16350	7930	11970	6915	10355	5955	8915

टिप्पण:

- (1) 1 अगस्त, 2002 को सेवा में प्रत्येक कर्मचारी, जो इस स्कीम के प्रकाशन की तारीख के पश्चात सेवा में निरंतर बना रहता है, का मूल वेतन 1 अगस्त, 2002 से या उसके विकल्प की तारीख से, इनमें जो पश्चातवर्ती हो, उस पर लागू पुर्नउपांतरित वेतन मान में तत्स्थानी प्रक्रम पर नियत किया जायेगा।
- (2) 1 अगस्त, 2002 के पश्चात नियुक्त प्रत्येक कर्मचारी, जो इस स्कीम के प्रकाशन की तारीख के पश्चात सेवा में निरंतर बना रहता है, का मूल वेतन उसकी नियुक्ति की तारीख से या उसके विकल्प की तारीख से, इनमें जो पश्चातवर्ती हो, उस पर लागू पुर्नउपांतरित वेतन मान में तत्स्थानी प्रक्रम पर नियत किया जायेगा।
- (3) ऐसे प्रत्येक कर्मचारी का मूल वेतन जो 1 अगस्त, 2002 को या उसके पश्चात सेवा में था और इस स्कीम के प्रकाशन पर या उसके पूर्व सेवानिवृत्त हो गया है या उसकी मृत्यु हो गई है, 1 अगस्त, 2002 से या उसकी नियुक्ति की तारीख से, इनमें जो पश्चातवर्ती हो, उस पर लागू पुर्नउपांतरित वेतन मान में तत्स्थानी प्रक्रम पर नियत किया जायेगा ;

परन्तु यह कि, सहायक, अभिलेख लिपिक, चालक या अन्य अधीनस्थ कर्मचारीवृन्द के वेतनमान में प्रत्येक ऐसे कर्मचारियों के संबंध में, जिन्हें 31 जुलाई, 2002 तक उपांतरित वेतनमान में एक, दो, तीन, चार या पांच वृद्धिरुद्ध वेतनवृद्धियां पहले ही मंजूर की जा चुकी है, उनका मूल वेतन संगत पुर्नउपांतरित वेतनमान के अधिकतम के तत्स्थानी एक, दो, तीन, चार या पांच चरण ऊपर नियत किया जायेगा:

परन्तु यह और कि सहायक, अभिलेख लिपिक, चालक या अन्य अधीनस्थ कर्मचारीवृन्द के वेतनमान में किसी भी कर्मचारी को छठी वृद्धिरुद्ध वेतनवृद्धि, पांचवीं वृद्धिरुद्ध वेतनवृद्धि प्राप्त करने की तारीख से दो वर्ष पूर्ण करने के पश्चात या इस स्कीम के प्रकाशन की तारीख से आगामी मास की पहली तारीख, जो भी पश्चातवर्ती हो, से दी जायेगी:

परन्तु यह भी कि, ज्येष्ठ सहायक या आशुलिपिक के वेतनमान में प्रत्येक ऐसे कर्मचारियों के संबंध में, जिन्हें 31 जुलाई, 2002 तक उपांतरित वेतनमान में एक, दो, तीन, या चार वृद्धिरुद्ध वेतनवृद्धियां पहले ही मंजूर की जा चुकी है, उनका मूल वेतन संगत पुर्नउपांतरित वेतनमान के अधिकतम के तत्स्थानी एक, दो, तीन या चार चरण ऊपर नियत किया जायेगा:

परन्तु यह और भी कि ज्येष्ठ सहायक या आशुलिपिक के वेतनमान में किसी भी कर्मचारी को पाँचवीं वृद्धिरुद्ध वेतनवृद्धि, चौथी वृद्धिरुद्ध वेतनवृद्धि प्राप्त करने की तारीख से तीन वर्ष पूर्ण करने के पश्चात या इस स्कीम के प्रकाशन की तारीख से आगामी मास की पहली तारीख, जो भी पश्चातवर्ती हो, से दी जायेगी।

II. कृत्यकारी भत्ते:**(1) विशेष कृत्यकारी भत्ता.**

- (क) (i) 1 अगस्त, 2002 से, वह कर्मचारी जो अधीनस्थ कर्मचारीवृन्द के वेतन मान में है और अपने नियमित और मुख्य कार्य के रूप में 'की होल्डर' के रूप में कार्य कर रहा है या बैंक को नकदी ले जाता है या लाता है, जहाँ किसी कैलेण्डर मास में ले जाये जाने वाली नकदी की राशि सामान्यतया पच्चीस हजार रुपये या उससे अधिक है, उसको 250 रु प्रतिमास विशेष कृत्यकारी भत्ते का भुगतान किया जायेगा, जिसमें से केवल 165 रुपये प्रतिमास (उपांतरित निबंधनों के अनुसार) की रकम इस स्कीम के प्रकाशन के मास के अंतिम दिन तक सभी प्रयोजनों के लिये मूल वेतन के रूप में मानी जायेगी;

- (ii) अन्य कर्मचारी जो अधीनस्थ कर्मचारीवृन्द जैसे लिफ्टमैन, मशीन ऑपरेटर, हैंड चपरासी, दफ्तरी, सफाई कर्मचारी, ए.सी. प्लान्ट ऑपरेटर और भारी यान चालक के वेतन मान में हैं, उनको 165 रुपये प्रतिमास (उपांतरित निबंधनों के अनुसार), विशेष कृत्यकारी भत्ते के रूप में मिलते रहेंगे, जो इस स्कीम के प्रकाशन के मास के अंतिम दिन तक सभी प्रयोजनों के लिये मूल वेतन के रूप में माना जायेगा। और,

इस स्कीम के प्रकाशन की तारीख के अगले मास की पहली तारीख के पश्चात इन कार्यों के नए समनुदेशन पर ऐसा कोई कृत्यकारी भत्ता नहीं दिया जायेगा।

(ख) 1 अगस्त, 2002 से वह कर्मचारी, जो सहायक (या सहायक के उपलब्ध न होने की स्थिति में, ज्येष्ठ सहायक) के वेतन मान में है और अपने नियमित और मुख्य कार्य के रूप में नकदी संबंधी कार्य कर रहा है, जहाँ किसी कैलेंडर मास में सामान्यतया पच्चीस हजार रुपये या उससे अधिक की रकम के लिये नकदी संबंधी कार्य है, उसको 515 रु प्रतिमास की दर से विशेष कृत्यकारी भत्ते का भुगतान किया जायेगा, जिसमें से केवल 210 रुपये प्रतिमास (परिवर्तित निबंधनों के अनुसार) की राशि इस स्कीम के प्रकाशन के मास के अंतिम दिन तक भविष्य निधि, पेंशन, उपदान फ़ायदों और प्रोन्नति पर नियतन के लिए गणना में ली जायेगी।

टिप्पण: इस स्कीम के प्रकाशन के अगले मास की पहली तारीख से, उपखण्ड (क) और उपखण्ड (ख) के अंतर्गत विशेष कृत्यकारी भत्ता, या उसके किसी भाग को, मूल वेतन के भाग के रूप में नहीं माना जायेगा और न ही उसे किसी भत्ते के प्रयोजन के लिये या किसी अन्य सेवा या सेवानिवृत्ति फ़ायदों के लिये गणना में लिया जायेगा:

परन्तु, तथापि, इस स्कीम के प्रकाशन के मास के आखिरी दिन को उपखण्ड(क) के अंतर्गत विशेष कृत्यकारी भत्ते में से 165 रुपये की राशि को मूल वेतन के भाग के रूप में गणना करते हुए, और उक्त राशि को मूल वेतन के रूप में गणना न करते हुए, कुल परिलब्धियों(मूल वेतन, मंहगाई भत्ता, मकान किराया भत्ता और नगर प्रतिकर भत्ता का योग) का अंतर, इस स्कीम के प्रकाशन के अगले मास के पहले दिन से 'अस्थायी समायोजन भत्ते' के रूप में माना जायेगा, जो परिलब्धियों में भविष्य में होने वाली किसी भी वृद्धि के विरुद्ध तब तक समायोजित किया जायेगा जब तक कि ऐसी वृद्धि के विरुद्ध यह पूर्ण रूप से समायोजित न हो जाये और अस्थायी समायोजन भत्ते का वह हिस्सा जो अभी तक समायोजित नहीं हुआ है, ऐसे कर्मचारी को संदेय होगा।

(2) अन्य कृत्यकारी भत्ते.

1 अगस्त, 2002 से निम्नलिखित कार्य निष्पादित करने वाले कर्मचारियों को निम्नानुसार कृत्यकारी भत्ता संदेय होगा:-

(i)	टैलेक्स आपरेटर, पंच कार्ड आपरेटर, एकक अभिलेख मशीन आपरेटर और काम्पटिस्ट	60 रु. प्रतिमास
(ii)	अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, महाप्रबंधक, सहायक महाप्रबंधक और समतुल्य पदाधिकारियों के आशुलिपिक	75 रु. प्रतिमास
(iii)	लेखा परीक्षा सहायक	340 रु. प्रतिमास

परन्तु, तथापि, इस स्कीम के प्रकाशन की तारीख के अगले मास की पहली तारीख से उपमद (i) के अंतर्गत नए कार्यों के समनुदेशन पर ऐसा कोई कृत्यकारी भत्ता नहीं दिया जायेगा।

टिप्पण 1 : कृत्यकारी भत्ता लेने वाले पात्र व्यक्तियों की संख्या और नाम अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक या इस निमित्त प्राधिकृत किसी अधिकारी द्वारा निर्धारित किया जायेगा, जो कार्य की मात्रा और प्रशासनिक अपेक्षाओं पर निर्भर होगा।

टिप्पण 2 : कोई कर्मचारी एक समय पर केवल एक कृत्यकारी भत्ता लेगा।

टिप्पण 3 : छुट्टी पर जाने वाले कर्मचारी को असाधारण छुट्टी की अवधि से भिन्न उसकी छुट्टी के दौरान कृत्यकारी भत्ते का संदाय किया जायेगा, यदि वह अपनी छुट्टी की समाप्ति पर उसी हैसियत में अपना कार्य ग्रहण करता है।

टिप्पण 4 : कोई कर्मचारी, अधिकार के रूप में कृत्यकारी भत्ता प्राप्त करने के लिए किसी विशिष्ट पद के कार्य के आर्बंटन का हकदार नहीं होगा, जो उस हैसियत / पद से जुड़ा हुआ है।

टिप्पण 5 : कोई कर्मचारी, कृत्यकारी भत्ते वाली हैसियत में कार्य करने से इंकार नहीं करेगा या यह शर्त नहीं लगाएगा कि उसे ऐसा भत्ता संदाय किया जाए जहाँ किसी पदधारी की अनुपस्थिति के कारण या कार्य के अस्थायी दबाव के कारण उस के कार्यालय के प्रधान द्वारा ऐसा कार्य सौंपा गया है।

III. मंहगाई भत्ता:

(1) कर्मचारियों के लिये लागू मंहगाई भत्ते की दर का अवधारण निम्नानुसार किया जायेगा:-

सूचकांक : औद्योगिक कर्मकारों के लिये अखिल भारतीय उपभोक्ता औसत मूल्य सूचकांक

आधार : 1960 = 100 की श्रृंखला में सूचकांक संख्यांक 2328

मंहगाई भत्ते की दर : 2328 अंकों से ऊपर त्रैमासिक औसत में चार अंक की प्रत्येक वृद्धि के लिये मंहगाई भत्ते की संगणना मूल वेतन के 0.18 प्रतिशत की दर से जायेगी

मंहगाई भत्ते का पुनरीक्षण : मंहगाई भत्ते का पुनरीक्षण, त्रैमासिक आधार पर प्रत्येक चार अंकों की वृद्धि या कमी के लिए किया जायेगा।

(2) अखिल भारतीय उपभोक्ता औसत मूल्य सूचकांक में 2328 अंकों से ऊपर त्रैमासिक आधार (जिसे इसमें इसके पश्चात "चालू औसत अंक" के रूप में निर्दिष्ट किया गया है) पर 2328-2332-2336-2340 इत्यादि की श्रृंखला में प्रत्येक चार अंकों की वृद्धि के लिये, संदेय मंहगाई भत्ते का ऊपर की ओर पुनरीक्षण होगा और चालू औसत अंक ऊपर उस श्रृंखला के, जिस के प्रतिनिर्देश में अन्तिम पूर्ववर्ती तिमासी के लिये मंहगाई भत्ता संदत्त किया गया है, सूचकांक में, चार अंक की कमी होती है तो मंहगाई भत्ते का नीचे की ओर पुनरीक्षण होगा। नीचे की ओर पुनरीक्षण पर, यदि ऐसा चालू औसत अंक ऊपर श्रृंखला में; का कोई अंक है तो संदेय मंहगाई भत्ता उस चालू औसत अंक के समरूप होगा और यदि ऐसा चालू औसत अंक ऊपर श्रृंखला में का कोई अंक नहीं है तो संदेय मंहगाई भत्ता ऊपर श्रृंखला में के उस अंक के समरूप होगा जो चालू औसत अंक से ठीक पहले है।

(3) इंडियन लेबर जर्नल या भारत का राजपत्र, इनमें से जो भी प्रकाशन पूर्वतर उपलब्ध हो, में यथाप्रकाशित अंतिम सूचकांक, वह सूचकांक होगा जिसे मंहगाई भत्ते की संगणना के प्रयोजन के लिए लिया जायेगा।

(4) किसी विशिष्ट तिमासी के लिए चालू औसत अंक में परिवर्तनों के तत्समान मंहगाई भत्ते का पुनरीक्षण, केवल तिमासी की समाप्ति के आगामी दूसरे पश्चात्तवर्ती मास से प्रभावी होगा।

स्पष्टीकरण: इस मद के प्रयोजन के लिए "तिमासी" से मार्च, जून, सितम्बर या दिसम्बर मास के अंतिम दिन को समाप्त होने वाली तीन मास की अवधि अभिप्रेत है।

IV. तकनीकी अर्हताओं के लिए भत्ता:

1 अगस्त, 2002 से तकनीकी अर्हताओं के लिए भत्ता निम्नानुसार संदेय होगा:

- (1) ऐसे पुष्ट कर्मचारी को जो अर्हक है या जिसने नीचे दी गयी सारणी के स्तंभ (1) में उल्लिखित किसी परीक्षा में अर्हता प्राप्त की है, परीक्षा के परिणाम के प्रकाशन की तारीख या इस स्कीम के प्रकाशन की तारीख, जो पश्चात्तवर्ती हो, से नीचे दी गयी सारणी के स्तंभ (2) में उल्लिखित तकनीकी अर्हताओं के लिए भत्ते का संदाय किया जाएगा:

परन्तु उसे एक से अधिक तकनीकी अर्हता भत्ता अनुज्ञेय नहीं होगा।

सारणी

परीक्षा	तकनीकी अर्हता के लिए भत्ता (प्रतिमास)	
	(2)	(3)
(1)	पुनरीक्षित	परिवर्तित निबंधनों के अनुसार
भारतीय बीमा संस्थान या चार्टर्ड बीमा संस्थान: निम्नलिखित के पूरा होने पर		
(i) लाइसेंसिएटशिप	115 रु	48 रु
(ii) एसोसिएटशिप	325 रु	144 रु
(iii) फ़ैलोशिप	545 रु	240 रु
बीमाकिक संस्थान		
(iv) प्रत्येक विषय उत्तीर्ण करने पर	115 रु	48 रु
चार्टर्ड अकाउंटेंट संस्थान या लागत और संकलन लेखा संस्थान:		
निम्न लिखित के पूरा करने पर	235 रु	96 रु
(v) इंटरमीडिएट परीक्षा	400 रु	180 रु
(vi) अंतिम समूह क और समूह ख	545 रु	240 रु
(vii) अंतिम समूह क और समूह ख		
(viii) मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय या संस्था से मान्यता प्राप्त बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (ए.आई.सी.टी.ई. से मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम)	545 रु	240 रु

(2) तकनीकी अर्हताओं के लिए भत्ते की मंजूरी संबद्ध कर्मचारी की ज्येष्ठता को प्रभावित नहीं करेगा।

(3) जहाँ कर्मचारियों को किसी उक्त परीक्षाओं में अर्हता प्राप्त करने के लिए पहले ही अग्रिम वेतन वृद्धि दी जा चुकी है, या कोई अन्य आवर्ती आर्थिक फ़ायदा दिया जा चुका है वहाँ तकनीकी अर्हता भत्ते की रकम को उपयुक्त रूप से कम कर दिया जाएगा या उसे संदेय नहीं होगा जो उसके द्वारा पूर्व में प्राप्त फ़ायदे की मात्रा पर निर्भर करेगा।

(4) वेतनमान के अधिकतम पर पहुँचने के पश्चात एक वर्ष की सेवा के पूरी होने पर ऐसा कर्मचारी तकनीकी अर्हता भत्ता प्राप्त करेगा जिसकी राशि पूरी दर के आधे से कम नहीं होगी और एक वर्ष की और सेवा के लिए उक्त तकनीकी अर्हता भत्ता पूरा संदाय किया जाएगा।

(5) उक्त सारणी के स्तंभ (2) में उल्लिखित तकनीकी अर्हताओं के लिए पुनरीक्षित भत्ते की किसी अन्य भत्ते के प्रयोजन के लिये गणना नहीं की जायेगी। तथापि इस स्कीम के प्रकाशन के मास के अंतिम दिन तक भविष्य निधि, पेंशन और श्रेणी III से श्रेणी I के काडर में पदोन्नत होने पर नियतन के प्रयोजन से, उक्त संशोधित भत्ते की ऊपर दी गई सारणी के स्तंभ (3) में दर्शाये गये परिवर्तित निबंधनों के अनुसार प्रत्येक परीक्षा के सामने दी गई राशि की सीमा तक गणना की जायेगी। और, इस स्कीम के प्रकाशन के मास के अंतिम दिन तक ऊपर दी गई सारणी के स्तंभ (3) में दर्शाई गई उक्त राशि और परिवर्तित निबंधनों (छठी अनुसूची) के अनुसार उस पर 22 जून 2000 को लागू मंहगाई भत्ते की राशि की गणना उपदान एवं अर्जित छुट्टियों के नकदीकरण के प्रयोजन के लिए की जायेगी।

(6) इस स्कीम के प्रकाशन के अगले मास की पहली तारीख से, ऊपर दी गई सारणी के स्तंभ (2) में उल्लिखित तकनीकी अर्हता के लिए पुनर्वांशित भत्ते या उसके किसी भाग को किसी भत्ते के प्रयोजन के लिये या किसी अन्य सेवा या सेवानिवृत्ति फ़ायदों के लिये गणना में नहीं लिया जायेगा।

उपरोक्त उपदान (1) के खण्ड (viii) के प्रयोजन के लिए "मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय या संस्था" से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय या संस्था अभिप्रेत है।

V. स्नातक भत्ता:**(1) सहायक के वेतनमान में कर्मचारियों को स्नातक वेतनवृद्धियां या भत्ता.**

1 अगस्त 2002 से सहायक के वेतनमान में कर्मचारियों को स्नातक वेतनवृद्धियां/ भत्ता निम्न प्रकार से संदेय होगा:-

(क) ऐसा कर्मचारी जिसे सहायक के वेतनमान में किसी पद पर नियुक्त किया गया है या प्रोन्नत किया गया है और जिसने 1 जनवरी, 1973 को या उसके पश्चात् किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक के रूप में अर्हता प्राप्त की है और वह वेतनमान के अधिकतम पर नहीं पहुंचा है, उसे परीक्षा के परिणाम के प्रकाशन की तारीख से या इस स्कीम के प्रकाशन के अगले मास के पहले दिन या सहायक के वेतन मान में नियुक्ति की तारीख से, इन में जो पश्चात्तर्ती हो, वेतनमान में दो वेतनवृद्धियां मंजूर की जाएंगी, परन्तु वह ऐसा स्नातक अर्हता होने के कारण पहले से ही वेतनवृद्धि या अर्हता वेतन प्राप्त नहीं कर रहा है या नियुक्ति पर कोई अग्रिम वेतनवृद्धि, भूतपूर्व सैनिकों को मंजूर की जाने वाली परिलब्धियों की संरक्षा से भिन्न, नहीं ले रहा है:

परन्तु यदि कोई कर्मचारी, जो स्नातक के लिए वेतनवृद्धि का हकदार है, मूल वेतन के रूप में 13,110 रुपये प्राप्त कर रहा है तो उसे स्नातक के लिए केवल एक वेतनवृद्धि मंजूर की जाएगी।

(ख) सहायक के वेतनमान में कोई कर्मचारी जो किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक है और वेतनमान के अधिकतम पर पहुंच गया है, उसे निम्न सारणी के स्तंभ (iv) के अनुसार 1 अगस्त 2002 से पुनरीक्षित स्नातक भत्ता संदेय होगा :-

सारणी			
चरण	परिवर्तित निबंधनों (छठी अनुसूची) के अनुसार प्रति मास स्नातक भत्ता	पूर्वपुनरीक्षित स्नातक भत्ता प्रति मास (सातवीं अनुसूची)	01-08-2002 से प्रति मास पुनरीक्षित स्नातक भत्ता
(i)	(ii)	(iii)	(iv)
वेतनमान के अधिकतम पर पहुंचने के एक वर्ष पश्चात्	78 रु	145 रु	200 रु
वेतनमान के अधिकतम पर पहुंचने के दो वर्ष पश्चात्	156 रु	285 रु	350 रु

(ग) ऊपर दी गयी सारणी के स्तंभ (iv) में यथादर्शित पुनरीक्षित स्नातक भत्ते को मूल वेतन के रूप में नहीं माना जायेगा। तथापि, इस स्कीम के प्रकाशन के मास के अंतिम दिन तक पुनरीक्षित स्नातक भत्ता उपरोक्त स्तंभ (ii) में यथादर्शित राशि की सीमा तक, भविष्य निधि, पेंशन और प्रोन्नति पर फ्रिटमेन्ट के लिए गणना में लिया जायेगा। और, उपरोक्त सारणी के स्तंभ (ii) में यथादर्शित उक्त राशि एवं परिवर्तित निबंधनों (छठी अनुसूची) के अनुसार उस पर 22 जून 2000 को लागू मंहगाई भत्ते की राशि की गणना उपदान एवं अर्जित छुट्टियों के नकदीकरण के प्रयोजन के लिए की जायेगी।

(घ) इस स्कीम के प्रकाशन की तारीख के अगले मास की पहली तारीख से स्नातक भत्ते या उसके किसी भाग को किसी भत्ते के प्रयोजन के लिये या किसी अन्य सेवा या सेवानिवृत्ति फायदों के लिये गणना में नहीं लिया जायेगा:

परन्तु यह कि 31 जुलाई, 2007 के पश्चात् यदि कोई सहायक स्नातक होता है तो उसे स्नातक भत्ता संदेय नहीं होगा।

(2) अभिलेख लिपिकों को स्नातक भत्ता.

अभिलेख लिपिकों के वेतनमान में कर्मचारियों को स्नातक भत्ता निम्न प्रकार से संदेय होगा:—

अभिलेख लिपिक के वेतनमान में वह कर्मचारी जिसने मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक के रूप में अर्हता प्राप्त की है, उसे परीक्षा के परिणाम के प्रकाशन की तारीख से या अभिलेख लिपिक के रूप में प्रोन्नति की तारीख से या 1 अगस्त 2002 से, जो भी पश्चातवर्ती हो, 135 रुपये प्रति मास का स्नातक भत्ता संदेय होगा:

परन्तु 31 जुलाई, 2007 के पश्चात यदि कोई अभिलेख लिपिक स्नातक के रूप में अर्हता प्राप्त करता है तो उसे स्नातक भत्ता संदेय नहीं होगा।

टिप्पण: अभिलेख लिपिक के वेतनमान में कर्मचारियों को संदेय स्नातक भत्ता न तो विशेष भत्ते के रूप में और न ही अन्य प्रयोजन के लिए मूल वेतन के रूप में समझा जायेगा या गणना में लिया जायेगा और यह कर्मचारी की प्रोन्नति पर वापस ले लिया जायेगा।

स्पष्टीकरण: इस मद के प्रयोजन के लिए "मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय" से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय अभिप्रेत है।

VI मकान किराया भत्ता:

(1) 1 अगस्त, 2002 से पर्यवेक्षकीय, लिपिकीय और अधीनस्थ कर्मचारीवृन्द को संदेय मकान किराया भत्ता नीचे सारणी में यथादर्शित होगा:—

सारणी

क्रमा सं	तैनाती का स्थान (1)	प्रतिमास दर (2)
1.	मुम्बई, नवी मुम्बई, कोलकाता, नई दिल्ली, फरीदाबाद, गाजियाबाद, नोएडा, गुडगांव और चेन्नई के नगर	वेतन का 10% अधिकतम 1,600/- रुपये प्रतिमास के अधीन रहते हुए
2.	क्रम सं. 1. में वर्णित नगरों को छोड़कर, 12 लाख से अधिक जनसंख्या वाले शहर, गांधी नगर एवं गोवा राज्य के सभी शहर	वेतन का 8% अधिकतम 1,350/- रुपये प्रतिमास के अधीन रहते हुए
3.	अन्य सभी स्थान	वेतन का 7% अधिकतम 1,300/- रुपये प्रतिमास के अधीन रहते हुए

टिप्पण: 1. इस मद के प्रयोजन के लिए जनसंख्या के आंकड़े वे होंगे जो नवीनतम जनगणना रिपोर्ट में हों।

2. नगरों में उनकी शहरी बस्तियां भी सम्मिलित होंगी।

3. 'वेतन' से मूल वेतन और पैरा 7 के उपपैरा(2) के अनुसार वृद्धिरुद्ध वेतनवृद्धियां अभिप्रेत हैं।

4. पैरा 18 के अंतर्गत स्थानांतरण और गतिशीलता नीति के अंतर्गत स्थानांतरित कर्मचारियों को मकान किराया भत्ते का भुगतान, उक्त पैरा के उपपैरा(1) के खण्ड (ग) के उपबंधों के अध्वधीन होगा।

(2) ऐसे कर्मचारी जिन्हें निवास सुविधा या स्टाफ क्वार्टर आवंटित किये गये हैं, किसी मकान किराया भत्ते के हकदार नहीं होंगे किन्तु वे ऐसी सुविधाओं के लिए निगम या कम्पनी को निगम या कम्पनी के बोर्ड द्वारा समय समय पर विनिश्चित की जा सकने वाली समुचित अनुज्ञप्ति फ़ीस का संदाय करेंगे। परन्तु ऐसा कर्मचारी जिसे निवास सुविधा या स्टाफ क्वार्टर 1 अप्रैल 1983 से पूर्व आवंटित किया गया है और जो उक्त स्कीम की चतुर्थ अनुसूची के मद VI के निबंधनानुसार इस स्कीम के प्रकाशन की तारीख से ठीक पूर्ववर्ती तारीख को मकान किराया भत्ता प्राप्त कर रहा है, जब तक वह निगम या कम्पनी द्वारा आवंटित किये हुए उसी आवास सुविधा या स्टाफ क्वार्टर को कब्जे रखे हुए है ऐसा मकान किराया भत्ता प्राप्त करता रहेगा।

VII. नगर प्रतिकर भत्ता:

1 अगस्त, 2002 से पर्यवेक्षकीय, लिपिकीय और अधीनस्थ कर्मचारीवृन्द को संदेय नगर प्रतिकर भत्ता नीचे सारणी में दिखाये गये अनुसार होगा :-

सारणी

क्रम सं.	तैनाती का स्थान (1)	प्रतिमास दर (2)
1.	मुम्बई, नवी मुम्बई, कोलकाता, नई दिल्ली, फ़रीदाबाद, गाज़ियाबाद, नोएडा, गुडगांव और चेन्नई के नगर	वेतन का 3% न्यूनतम 160 रुपये प्रतिमास एवं अधिकतम 370 रुपये प्रतिमास के अधीन रहते हुए
2.	क्रम सं. 1. में वर्णित शहरों को छोड़कर 12 लाख से अधिक जनसंख्या वाले नगर, गांधी नगर एवं गोवा राज्य के सभी नगर	वेतन का 2.5% न्यूनतम 135 रुपये प्रतिमास एवं अधिकतम 340 रुपये प्रतिमास के अधीन रहते हुए
3.	ऐसे नगर जिनकी जनसंख्या 5 लाख और उस से अधिक है, किन्तु 12 लाख से कम है, राज्यों की 12 लाख से कम जनसंख्या वाली राजधानियां, चण्डीगढ़, मोहाली, पाण्डिचेरी, पोर्टब्लेयर एवं पंचकुला	वेतन का 2% न्यूनतम 100 रुपये प्रतिमास एवं अधिकतम 270 रुपये प्रतिमास के अधीन रहते हुए

- टिप्पण: 1. इस मद के प्रयोजन के लिए जनसंख्या के आंकड़े नवीनतम जनगणना रिपोर्ट के अनुसार होंगे।
 2. नगरों में उनकी शहरी बस्तियां भी सम्मिलित होंगी।
 3. 'वेतन' से मूल वेतन और पैरा 7 के उपपैरा(2)अनुसार वृद्धिरुद्ध वेतनवृद्धियां अभिप्रेत हैं।
 4. पैरा 18 के अंतर्गत स्थानान्तरण और गतिशीलता नीति के अधीन स्थानान्तरित कर्मचारियों को नगर प्रतिकर भत्ते का भुगतान, उक्त पैरा के उपपैरा(1) के खण्ड (ग) के उपबंधों के अधीन होगा।

VIII. पर्वतीय स्थान भत्ता:

स्कीम के प्रकाशन की तारीख से आगामी मास की पहली तारीख से पर्यवेक्षकीय, लिपिकीय और अधीनस्थ कर्मचारीवृन्द को संदेय पर्वतीय स्थान भत्ता निम्न प्रकार से होगा :-

क्रम सं.	तैनाती का स्थान (1)	प्रतिमास दर (2)
1.	औसत समुद्र तल से 1500 मीटर और अधिक की ऊँचाई पर स्थित स्थानों पर तैनात	मूल वेतन का 2.5% अधिकतम 270 रुपये प्रतिमास के अधीन रहते हुए
2.	औसत समुद्र तल से 1000 मीटर और अधिक, किन्तु 1500 मीटर से कम की ऊँचाई पर स्थित स्थानों, मर्करा और ऐसे स्थान जिन्हें केन्द्रीय / राज्य सरकारों द्वारा अपने कर्मचारियों के लिए विनिर्दिष्ट रूप से "पर्वतीय स्थान" घोषित किया गया है, पर तैनात	मूल वेतन का 2% अधिकतम 210 रुपये प्रतिमास के अधीन रहते हुए
3.	औसत समुद्र तल से 750 मीटर की ऊँचाई से कम नहीं और 1000 मीटर और अधिक की ऊँचाई वाली पहाड़ियों से घिरे और केवल उनके माध्यम से पहुँचे जा सकने वाले स्थान पर तैनात	मूल वेतन का 2% अधिकतम 210 रुपये प्रतिमास के अधीन रहते हुए

IX. किट भत्ता:

प्रत्येक ऐसे कर्मचारी को, जो इस अनुसूची के मद VIII में सूचीबद्ध किन्हीं पर्वतीय स्थान पर स्थानंतरित है, 500 रुपये किट भत्ते का संदाय किया जाएगा। किट भत्ता एक पर्वतीय स्थान से दूसरे पर्वतीय स्थान पर स्थानंतरित होने पर संदाय नहीं किया जायेगा यदि उसने ऐसा भत्ता पिछले तीन वर्ष में किसी समय लिया है।

X. नियत वैयक्तिक भत्ता :

1 अगस्त, 2002 से प्रभावी, कंप्यूटरीकरण के मद्दे कर्मचारियों को संदेय नियत वैयक्तिक भत्ता नीचे दी गयी सारणी के स्तंभ (2) के अनुसार पुनरीक्षित होगा:-

सारणी

क्रम सं.	कर्मचारी का 01.11.1993 को वेतनमान	पुनरीक्षित नियत वैयक्तिक भत्ता (एफ. पी. ए)	परिवर्तित निबंधनों (छठी अनुसूची) के अनुसार नियत वैयक्तिक भत्ते का वेतनवृद्धि वाला भाग	01-11-1993 को परिवर्तित निबंधनों के अनुसार नियत वैयक्तिक भत्ते के वेतनवृद्धि वाले भाग पर मंहगाई भत्ता
	(1)	(2)	(3)	(4)
		रु.	रु.	रु.
1.	ज्येष्ठ सहायक	540	230	18.68
2.	आशुलिपिक	540	230	18.68
3.	सहायक, आदि	540	230	18.68
4.	अभिलेख लिपिक	345	130	12.74
5.	चालक	250	100	9.80
6.	अन्य कर्मचारीवृन्द	250	100	9.80

टिप्पण: ऊपर दी गई सारणी के स्तंभ (2) में यथादर्शित पुनरीक्षित नियत वैयक्तिक भत्ता (एफ. पी. ए) किसी भी भत्ते या किसी भी सेवा या सेवानिवृत्ति-फ़ायदों के लिए अर्हित नहीं होगा। तथापि, परिवर्तित निबंधनों के अनुसार नियत वैयक्तिक भत्ते का वेतन वृद्धि वाला भाग जो ऊपर स्तंभ (3) में दिखाया गया है भविष्य निधि और पेंशन के लिए गणना में लिया जायेगा और उक्त वेतन वृद्धि भाग को, उस पर स्तंभ (4) में यथादर्शित 1 नवंबर, 1993 को मंहगाई भत्ते सहित, उपदान और अर्जित छुट्टी के नकदीकरण के लिए गणना में लिया जायेगा।

XI. परिवहन भत्ता :

सातवीं अनुसूची की मद XII के अनुसार कर्मचारियों को पचहत्तर रुपये प्रतिमास की दर से संदेय सवारी भत्ता, 1 अगस्त, 2002 से एक सौ पचास रुपये प्रतिमास की पुनरीक्षित दर से संदेय होगा और इसे 'परिवहन भत्ता' के नाम से पुनःनामित किया जायेगा।

XII. पारादीप पत्तन भत्ता:

इस स्कीम के प्रकाशन की तारीख के आगामी मास की पहली तारीख या नियुक्ति की तारीख, जो भी पश्चात्पूर्वी हो, कम्पनी के पारादीप पत्तन कार्यालय में तैनात प्रत्येक पुरुष कर्मचारी को उसकी उस कार्यालय में तैनाती की अवधि के लिए पचहत्तर रुपये प्रतिमास भत्ते के रूप में संदेय होंगे। यह भत्ता किसी भी प्रयोजन के लिए मूल वेतन के रूप में नहीं माना जायेगा।

[फा. सं. 2(4)/2005-बीमा III (ii)]

जी. सी. चतुर्वेदी, संयुक्त सचिव (बैंकिंग एवं बीमा)

स्पष्टीकारक ज्ञापन

1. केन्द्रीय सरकार ने इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट तारीखों से निगम और कम्पनियों के कर्मचारियों के वेतन मान और सेवा शर्तों को पुनरीक्षित करने का अनुमोदन दे दिया है। तदनुसार उक्त अधिसूचना में यथाविनिर्दिष्ट तारीखों से साधारण बीमा (पर्यवेक्षकीय, लिपिकीय और अधीनस्थ कर्मचारीवृन्द के वेतनमानों और सेवा की अन्य शर्तों का सुव्यवस्थीकरण और पुनरीक्षण) स्कीम, 1974 का संशोधन किया गया है।

2. यह प्रमाणित किया जाता है कि इस अधिसूचना को भूतलक्षी प्रभाव देने से निगम या कम्पनियों के किसी भी कर्मचारी पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है।

टिप्पण: - मूल स्कीम अधिसूचना संख्या का. आ. 326(आ) तारीख 27 मई, 1974 को प्रकाशित की गयी थी जिसे तत्पश्चात् अधिसूचना संख्या का. आ. 472(आ) तारीख 5 सितंबर 1975, का. आ. 5415 तारीख 22 दिसंबर 1975, का. आ. 390(आ) तारीख 1 जून 1976, का. आ. 4466 तारीख 11 नवंबर 1976, का. आ. 2443 तारीख 30 जुलाई 1977, का. आ. 1046 तारीख 29 मार्च 1978, का. आ. 1049 तारीख 29 मार्च 1978, का. आ. 1410 तारीख 26 अप्रैल 1978, का. आ. 3429 तारीख 16 नवंबर 1978, का. आ. 314(आ) तारीख 12 मई 1980, का. आ. 729(आ) तारीख 21 सितंबर 1984, का. आ. 769(आ) तारीख 15 अक्टूबर 1985, का. आ. 884(आ) तारीख 9 दिसंबर 1985, का. आ. 729(आ) तारीख 3 अक्टूबर 1986, का. आ. 441(आ) तारीख 27 अप्रैल 1987, का. आ. 1038(आ) तारीख 7 दिसंबर 1987, का. आ. 780(आ) तारीख 22 अगस्त 1988, का. आ. 783(आ) तारीख 22 अगस्त 1988, का. आ. 1160(आ) तारीख 9 दिसंबर 1988, का. आ. 180(आ) तारीख 10 मार्च 1989, का. आ. 356(आ) तारीख 12 मई 1989, का. आ. 405(आ) तारीख 24 मई 1990, का. आ. 542(आ) तारीख 6 जुलाई 1990, का. आ. 593(आ) तारीख 27 जुलाई 1990, का. आ. 754 तारीख 4 अक्टूबर 1990, का. आ. 797(आ) तारीख 25 नवंबर 1991, का. आ. 909(आ) तारीख 23 दिसंबर 1991, का. आ. 83 तारीख 2 फरवरी 1994, का. आ. 594(आ) तारीख 30 जून 1995, का. आ. 139(आ) तारीख 22 फरवरी 1996, का. आ. 759(आ) तारीख 1 नवंबर 1996, का. आ. 465(आ) तारीख 27 मई 1998, का. आ. 731(आ) तारीख 27 अगस्त, 1998, का. आ. 694(आ) तारीख 30 अगस्त, 1999, का. आ. 589(आ) तारीख 22 जून, 2000, का. आ. 782(आ) तारीख 30 अगस्त, 2000, का. आ. 225(आ) तारीख 15 मार्च 2001 और का. आ. 633(आ) तारीख 4 मई, 2005 द्वारा संशोधित किया गया।

NOTIFICATION

New Delhi, the 21st December, 2005

S.O. 1793(E).— In exercise of the powers conferred by Section 17A of the General Insurance Business (Nationalisation) Act, 1972 (57 of 1972), the Central Government hereby frames the following Scheme further to amend the General Insurance (Rationalisation and Revision of Pay Scales and other Terms and Conditions of Service of Supervisory, Clerical and Subordinate Staff) Scheme, 1974, namely :-

1.

(1) This Scheme may be called the General Insurance (Rationalisation and Revision of Pay Scales and other Conditions of Service of Supervisory, Clerical and Subordinate Staff) Second Amendment Scheme, 2005.

(2) Save as otherwise provided in this Scheme, this Scheme shall be deemed to have come into force on the 1st day of August, 2002.

(3) This Scheme shall be applicable to all employees who were in whole-time service in Supervisory, Clerical and Sub-ordinate Staff cadres of the Corporation or Company as on, or after, the 1st day of August, 2002:

Provided that the employees whose resignations had been accepted or whose services had been terminated during the period from the 1st day of August, 2002 and the date of publication of this Scheme, shall not be eligible for the arrears on account of revision under this Scheme:

Provided further that the employees, who had sought Special Voluntary Retirement under, -

- a. the General Insurance Employees' Special Voluntary Retirement Scheme, 2004 (S.O. 8 (E) dated the 1st January, 2004), in the case of Company; or
- b. the General Insurance Corporation of India Employees' Special Voluntary Retirement Scheme, 2004 (S.O. 454 (E) dated the 1st April, 2004), in the case of Corporation,

and have been relieved thereunder prior to the date of this notification, shall not be eligible for any benefit arising from this Scheme other than that provided for by sub-paragraph 2 of paragraph 5 of the General Insurance Employees' Special Voluntary Retirement Scheme, 2004, or, the General Insurance Corporation of India Employees' Special Voluntary Retirement Scheme, 2004, as the case may be.

(4) Nothing contained in this Scheme shall entitle an employee to claim Overtime Allowance higher than what he had been entitled to prior to the publication of this Scheme.

2. In the General Insurance (Rationalisation and Revision of Pay Scales and other Terms and Conditions of Service of Supervisory, Clerical and Subordinate Staff) Scheme, 1974 (hereinafter referred to as the "said Scheme"), in paragraph 3, after clause (ba) relating to the definition of "Corporation", for " (ba) Chairman-cum-Managing Director means the Chairman-cum-Managing Director of the General Insurance Corporation of India formed under Section 9 of the Act" the following clause shall be substituted, with effect from the 1st day of February, 2005, namely:-

"(bb) Chairman-cum-Managing Director means the Chairman-cum- Managing Director of any of the four Companies referred to in sub-section 2 of section 16 of the Act and, with effect from the 1st day of February, 2005, shall also mean the Chairman-cum-Managing Director of the General Insurance Corporation of India formed under section 9 of the Act."

3. In the said Scheme, in paragraph 3, after clause (fb), the following clauses shall be inserted, namely:-

'(fc) "re-modified terms" means the re-modified scales of pay and allowances as specified in the Eighth Schedule;

(fd) "re-modified scales of pay" means the re-modified scales of pay as specified in the Eighth Schedule;'

4. In the said Scheme, in paragraph 4, after sub-paragraph (11), the following sub-paragraphs shall be inserted, namely:-

"(12) With effect from the 1st day of August, 2002, the pay and allowances of every employee shall be in accordance with the re-modified terms. The basic salary of every employee in service as on that date and of every employee appointed after that date but before the date of publication of this Scheme, shall be in accordance with the re-modified scales of pay as per the provisions of paragraph 6F.

(13) Every employee whose basic salary is fixed in the re-modified scales of pay in accordance with the provisions of paragraph 6F of this Scheme shall be paid, from the date of fixation in the re-modified scales of pay, for the period commencing from the 1st day of August, 2002 or the date of his appointment, or the date from which he opts to be governed by the provisions of this Scheme, whichever is later, the difference of Basic Salary, Personal Pay, if any, Dearness Allowance and other allowances (after deducting the employee's compulsory contribution to the Provident Fund), between the 're-modified terms' and 'modified terms' applicable to him:

Provided that –

(a) an employee who had retired from service after the 1st day of August, 2002 shall be paid the difference in the amount, as specified in sub-paragraph (13), for the period upto the date of his retirement along with the difference in the amount of gratuity, if any, arising out of this Scheme;

(b) in the case of an employee who had died whilst in service on or after the 1st day of August, 2002, the difference in the amount as specified in sub-paragraph (13), for the period upto the date of his death shall be paid to the person to whom his Provident Fund was paid or is to be paid and the difference in the amount of gratuity, if any, arising out of this Scheme shall be paid to the person to whom his gratuity was paid or is to be paid:

Provided further that in respect of an employee who is promoted from Supervisory, Clerical and Sub-ordinate Staff cadres to the cadre of officer or converted as Development Officer on or after the 1st day of August, 2002, the difference in the amount referred to above (excluding the difference in gratuity amount) upto the date of his promotion as officer or conversion as Development Officer, shall be paid on the basis of notional fixation of his basic salary in the re-modified terms.

Explanation: For the purposes of sub-paragraph (13), the expression 'other allowances' means House Rent Allowance, City Compensatory Allowance, Functional Allowance, Hill Station Allowance, Graduation Allowance, Allowance for Technical Qualification, Conveyance Allowance, Paradeep Port Allowance, and Fixed Personal Allowance as admissible to an employee."

5. In the said Scheme, after paragraph 6E, the following paragraph shall be inserted, namely: -

"6F. Fixation of Basic Salary in the re-modified scales of pay and allowances:

- (a) The scales of pay and other allowances in case of every employee in service as on the 1st day of August, 2002, and continuing to be in service on or after the date of publication of this Scheme, shall be in accordance with the 're-modified terms' from a date not earlier than
 - (i) 1st day of the month following the date of publication of this Scheme, for Hill Station Allowance and Paradeep Port Allowance; and
 - (ii) the 1st day of August, 2002, for Basic Salary and other allowances.
- (b) The scales of pay and allowances in case of every employee to whom this Scheme applies, shall be in accordance with the re-modified terms from a date not earlier than the date mentioned in sub-paragraph(a) above or the date of appointment, whichever is later.
- (c) Notwithstanding anything contained in sub-paragraph (a) and (b), an employee may choose that the scales of pay and other allowances may be fixed in his case in accordance with Table I A or I B, as the case may be, under the Eighth Schedule, (the re-modified terms) with effect from the dates mentioned in sub-paragraph (a) above or any date thereafter but on or before the date of publication of this Scheme, in which case, he shall intimate such choice in writing to the Corporation or Company, as the case may be, within the period as may be stipulated :

Provided that no arrears shall be payable to such employee for the period from the 1st day of August, 2002 to the date so chosen:

Provided further that while calculating the arrears from the 1st day of August, 2002 to the date of publication of this Scheme, if the net difference between the modified total monthly emoluments after deducting Provident Fund and the re-modified total monthly emoluments after deducting Provident Fund is negative, the same shall be ignored."

6. In the said Scheme, in paragraph 7, for sub-paragraph (2), the following shall be substituted, namely :-

"(2) In respect of an employee whose basic salary is fixed at maximum of the re-modified scales of pay on the 1st day of August, 2002 or on the date of publication of this Scheme under paragraph 6F and in respect of an employee who will be reaching the maximum of the re-modified scales of pay at any time thereafter during the period of his service, an officer not below the rank of Assistant Manager (re-designated as 'Scale III' under the General Insurance (Rationalization of Pay Scales and Other Conditions of Service of Officers) Second Amendment Scheme, 2005) authorized by the Corporation or Company in this behalf, subject to the work record being found satisfactory, may consider,

- (a) granting of one increment to such employee in the re-modified scale of Assistant, Record Clerk, Driver or other Subordinate Staff, as the case may be, for every two years of continuous service rendered by him after the date of his reaching the maximum of the respective re-modified scale of pay at the rate of last increment drawn in the scale, subject to a maximum of six such increments:

Provided that in respect of the employees, who have already been granted as on the 31st of July, 2002, one, two, three, four or five stagnation increments, in the modified scales of pay, their basic salary in the relevant re-modified scale of pay shall be fixed at the corresponding first, second, third, fourth or fifth stages above the maximum of the re-modified scale, as shown in Table I B of Eighth Schedule:

Provided further that the sixth stagnation increment shall be granted to an employee, after the completion of two years from the date of receipt of fifth stagnation increment or, from 1st day of the month following the date of publication of this Scheme, whichever is later;

- (b) granting of one increment to such employee in the re-modified scale of Senior Assistant or Stenographer, for every three years of continuous service rendered by him after the date of his reaching the maximum of the re-modified scale of pay at the rate of last increment drawn in the scale subject to a maximum of five such increments:

Provided that in respect of the employees who have already been granted as on the 31st of July, 2002, one, two, three or four stagnation increments, in the modified scale of pay, their basic salary in the relevant re-modified scale of pay shall be fixed at the corresponding first, second, third or fourth stages above the maximum of the re-modified scale, as shown in Table I B of Eighth Schedule:

Provided further that the fifth stagnation increment shall be granted to an employee after completion of three years from the date of receipt of fourth stagnation increment or, from the date of publication of this Scheme, whichever is later.

Explanation: For the purpose of this paragraph "continuous service" means a period of duty excluding period or periods of Extraordinary Leave.

7. In the said Scheme, for Paragraph 8, the following paragraph shall be substituted, namely: -

"8. Hours of Work: -

(1) With effect from the first day of the month following the date of publication of this Scheme, the total working hours in a week comprising of five full days shall be as under: -

Sl. No.	Cadre	Working Hours
(i)	For all employees in the cadre of Senior Assistant, Stenographer, Assistant and Record Clerk	Thirty six and half hours excluding the daily lunch break for thirty minutes
(ii)	For all employees in the cadre of Subordinate Staff other than those referred to in sub-paragraph (2)	Thirty nine and half hours excluding the daily lunch break for thirty minutes

(2) The total working hours in a week comprising of six full days shall be forty-eight hours for Subordinate Staff such as drivers, liftmen, cleaners, watchmen, electricians, plumbers and gardeners.

(3) Subject to the maximum weekly hours of work stipulated in sub-paragraphs (1) and (2), the Chairman-cum-Managing Director may determine, from time to time, the number of working days in a week and the number of daily working hours of each office and employee as considered necessary.

8. In the said Scheme, after paragraph 9, the following proviso shall be deemed to have been inserted with effect from 1st January, 2006, namely:-

"Provided that in addition to these holidays under the Negotiable Instruments Act, 1881, an employee may be allowed to avail of not more than two Restricted Holidays in a calendar year, as per his choice, out of the list of Restricted Holidays declared by the Central Government from year to year, subject to such choice of the employee being submitted to the Corporation or Company before commencement of the calendar year concerned."

9. In the said Scheme, in paragraph 10, with effect from 1st January, 2006, -

(a) in sub-paragraph (2), in clause (e),

(1) in sub clause (i), the words "and additional casual leave" shall be omitted;

(2) in sub clauses (v) and (vi), the words "additional casual leave" shall be omitted;

(b) in sub-paragraph (3), in the Explanation to clause (a), the words "additional casual leave" shall be omitted;

(c) in sub-paragraph (4),

(1) in clause (a), for the figures '15', the figures '12' shall be substituted;

(2) clause (b) shall be omitted;

(3) for clause (c), the following clause shall be substituted, namely:-

"(c) Without prejudice to the provisions of clause (e) of sub-paragraph (2), casual leave for not more than 5 days may be granted at a time."

(4) in clause (d), the words "and additional casual leave" shall be omitted;

(5) for clause (e), the following clause shall be substituted, namely:-

"(e) Casual Leave for half day shall not be granted;"

(6) clause (f) shall be omitted.

10. In the said Scheme, in the Explanation to paragraph 11, after clause (iii), the following clause shall be inserted, namely:-

“(iv) for the period commencing from 1st day of August, 2002, shall be computed with reference to the re-modified terms.”.

11. In the said Scheme, for Paragraph 18, the following paragraph shall be substituted, namely:-

“18. Transfers and change of place of work -

(1) Every employee shall be liable to be transferred from one department to another in the same office, from one office to another office in the same station and to meet the requirement or need of the Company or the Corporation, as the case may be, from one station to another in terms of the Transfer and Mobility Policy as approved by the Board of the Company or Corporation, and amended from time to time, which shall, *inter alia*, provide for the following :-

- (a) any such transfer from one station to another will be restricted to a radius of 150 kms;
- (b) an employee so transferred to another station may be considered for transfer to the original station of posting, or a place of his choice, after a period of three years, subject to availability of vacancies;
- (c) an employee so transferred from one station to another shall be paid an allowance, called the Disturbance Allowance, at the rate of Rs. 400/- per month during the period of posting on such transfer (not being request transfer, nor posting on promotion). Besides, House Rent Allowance and/or City Compensatory Allowance, which the employee was drawing before such transfer, shall be protected during the period of transfer.

(2) Notwithstanding anything contained in sub-paragraph (1), the Chairman-cum-Managing Director, or any other officer authorized in this behalf by him, may transfer an employee from one department to another in the same office or from one office of the Company or the Corporation as the case may be, to another office of that Company or the Corporation, respectively, in the same station or different station with or without the benefit provided for under clause (c) of sub-paragraph (1).”.

12. In the said Scheme, after the Seventh Schedule, the following Schedule shall be inserted, namely:-

“EIGHTH SCHEDULE

[See Paragraph 3 (fc) and (fd)]

I. Re-modified Scales of Pay:

A. Supervisory and Clerical Staff .

- (1) Senior Assistant
Rs. 6885-485(4)-8825-540(15)-16925
- (2) Stenographer
Rs. 6885-485(4)-8825-540(15)-16925
- (3) Assistant, Typist, Telephone Operator, Telex Operator, Receptionist, Punch Card Operator, Unit Record Machine Operator, Comptist and other equivalent posts
Rs. 4995-285(1)-5280-310(2)-5900-350(5)-7650-405(2)-8460-490(3)-9930-510(2)-10950-540(5)-13650
- (4) Record Clerk
Rs. 4665-190(2)-5045-210(5)-6095-225-6320-250(2)-6820-280(3)-7660-310(5)-9210-345(3)-10245

B. Subordinate Staff.

- (1) Driver
Rs. 4665-190(2)-5045-205(14)-7915-220(2)-8355-250(3)-9105
- (2) Other Subordinate Staff
Rs. 4105-165(5)-4930-175(8)-6330-205-6535-210(3)-7165-250(2)-7665

Fixation of basic salary and stagnation stages shall be as per the Tables given below:-

I A. Fixation of Basic Salary.

Table

(Figures in Rupees)

Senior Assistant/ Stenographer		Assistant		Record Clerk		Driver		Other Subordinate Staff	
Existing Basic Salary	Revised Basic Salary	Existing Basic Salary	Revised Basic Salary	Existing Basic Salary	Revised Basic Salary	Existing Basic Salary	Revised Basic Salary	Existing Basic Salary	Revised Basic Salary
4655	6885	3385	4995	3165	4665	3165	4665	2790	4105
4940	7370	3570	5280	3285	4855	3285	4855	2900	4270
5225	7855	3775	5590	3405	5045	3405	5045	3010	4435
5510	8340	3980	5900	3540	5255	3540	5250	3120	4600
5795	8825	4205	6250	3675	5465	3675	5455	3230	4765
6155	9365	4430	6600	3810	5675	3810	5600	3340	4930
6515	9905	4655	6950	3945	5885	3945	5865	3455	5105
6875	10445	4880	7300	4080	6095	4080	6070	3570	5280
7235	10985	5105	7650	4225	6320	4215	6275	3685	5455
7595	11525	5375	8055	4390	6570	4350	6480	3800	5630
7955	12065	5645	8460	4555	6820	4485	6685	3915	5805
8315	12605	5945	8950	4740	7100	4620	6890	4030	5980
8675	13145	6245	9440	4925	7380	4755	7095	4145	6155
9035	13685	6545	9930	5110	7660	4890	7300	4260	6330
9395	14225	6870	10440	5305	7970	5025	7505	4395	6535
9755	14765	7195	10950	5500	8280	5160	7710	4530	6745
10115	15305	7555	11490	5695	8590	5295	7915	4665	6955
10475	15845	7915	12030	5890	8900	5430	8135	4800	7165
10835	16385	8275	12570	6100	9210	5595	8355	4965	7415
11195	16925	8635	13110	6310	9555	5760	8605	5130	7665
		6995	13650	6520	9900	5925	8855		
				6755	10245	6090	9105		

I B. Fixation of Basic Salary – Stagnation Stages.

[See Paragraph 7, sub paragraph (2)]

Table

(Figures in Rupees)

Senior Assistant/ Stenographer		Assistant		Record Clerk		Driver		Other Subordinate Staff	
Existing Basic Salary	Revised Basic Salary	Existing Basic Salary	Revised Basic Salary	Existing Basic Salary	Revised Basic Salary	Existing Basic Salary	Revised Basic Salary	Existing Basic Salary	Revised Basic Salary
11555	17465	9355	14190	6990	10590	6255	9355	5295	7915
11915	18005	9715	14730	7225	10935	6420	9605	5460	8165
12275	18545	10075	15270	7460	11280	6585	9855	5625	8415
12635	19065	10435	15810	7695	11625	6750	10105	5790	8665
		10795	16350	7930	11970	6915	10355	5955	8915

Note:

- (1) The basic salary of every employee in service as on the 1st day of August, 2002, and who continues to be in service after the date of publication of this Scheme, shall be fixed at the corresponding stage in the respective re-modified scale of pay with effect from the 1st day of August, 2002 or the date of option, whichever is later.
- (2) The basic salary of every employee appointed after the 1st day of August, 2002 and who continues to be in service after the date of publication of this Scheme, shall be fixed at the corresponding stage in the respective re-modified scale of pay with effect from the date of his appointment or date of option, whichever is later.
- (3) The basic salary of every employee who was in service on or after the 1st day of August, 2002 and who retired or died on or before the date of publication of this Scheme, shall be fixed at the corresponding stage in the respective re-modified scale of pay with effect from the 1st day of August, 2002 or the date of his appointment, whichever is later:

Provided that in respect of the employees in the scale of Assistant, Record Clerk, Driver or other Subordinate Staff, who have already been granted as on the 31st July, 2002, one, two, three, four or five stagnation increments, in the modified scales of pay, their basic salary in the relevant re-modified scale of pay shall be fixed at the corresponding first, second, third, fourth or fifth stages above the maximum of the re-modified scale :

Provided further that the sixth stagnation increment shall be granted to the employees in the scale of Assistant, Record Clerk, Driver or other Subordinate Staff, as the case may be, after the completion of two years from the date of receipt of fifth stagnation increment or, from 1st day of the month following the date of publication of this Scheme, whichever is later :

Provided also that in respect of the employees in the scale of Senior Assistant or Stenographer who have already been granted as on the 31st July, 2002, one, two, three or four stagnation increments, in the modified scale of pay, their basic salary in the relevant re-modified scale of pay shall be fixed at the corresponding first, second, third or fourth stages above the maximum of the re-modified scale:

Provided also that the fifth stagnation increment shall be granted to the employees in the scale of Senior Assistant or Stenographer, as the case may be, after the completion of three years from the date of receipt of fourth stagnation increment or, from 1st day of the month following the date of publication of this Scheme, whichever is later.

II. FUNCTIONAL ALLOWANCES:**(1) Special Functional Allowance.**

- (a) (i) With effect from the 1st day of August, 2002, an employee in the scale of Subordinate Staff engaged in either as Key Holder or for carrying cash to or from Bank, as his regular and main function, where the amount of cash carried during a calendar month is ordinarily Rs. 25,000/- or more, shall be paid a Special Functional Allowance @ Rs. 250/- per month, out of which an amount of Rs. 165/- per month only (as per the modified terms) will be treated as basic salary for all purposes till the last day of the month of publication of this Scheme;
- (ii) Other employees in the scale of Subordinate Staff working as Liftmen, Machine Operators, Head Peons, Jamadars, Daftaries, AC Plant Operators and Heavy Vehicle Drivers shall continue to be paid a Special Functional Allowance @ Rs. 165/- per month only (as per modified terms), which will continue to be treated as basic salary for all purposes till the last day of the month of publication of this Scheme. Further, new assignment of these functions after first day of the month following the date of publication of this Scheme shall not attract any such Functional Allowance.

- (b) With effect from the 1st day of August, 2002, an employee in the scale of Assistant (or Senior Assistant, in the event of non-availability of Assistant) engaged in handling cash in an office, as his regular and main function, where the amount of cash transactions during a calendar month is ordinarily Rs. 25,000/- or more, shall be paid a Special Functional Allowance @ Rs. 515/- per month, out of which an amount of Rs.210/- per month only (as per the altered terms) shall rank for Provident Fund, Pension, Gratuity benefits and Fixation on Promotion till the last day of the month of publication of this Scheme.

Note: With effect from 1st day of the month following the date of publication of this Scheme, Special Functional Allowance under sub-clause (a) and (b), or any part thereof, shall not be treated as part of basic salary and shall not count for the purpose of any allowance or for the purpose of any other service or terminal benefits:

Provided, however, the difference in total emoluments (comprising of Basic Salary, Dearness Allowance, House Rent Allowance and City Compensatory Allowance) as on the last day of the month of publication of this Scheme to an employee drawing Special Functional Allowance under sub-clause (a) arrived at by counting the amount of Rs. 165/- as part of basic salary, and those arrived at by not counting the said amount as part of basic salary, shall, with effect from the first day of the month following the date of publication of this Scheme, be treated as Temporary Adjustment Allowance, which shall be adjusted, from time to time, against any future increases in emoluments, and, till it is fully adjusted against such increases, such part of the Temporary Adjustment Allowance which is yet to be adjusted shall be paid to such employee.

(2) Other Functional Allowances.

From the 1st day of August, 2002, the employees performing the following functions shall be paid Functional Allowances as under:-

(i)	Telex Operators, Punch Card Operators, Unit Record Machine Operators and Comptists	Rs. 60/- p.m.
(ii)	Stenographer to Chairman-cum-Managing Director, General Managers, Assistant General Managers and equivalent positions.	Rs. 75/- p.m.
(iii)	Audit Assistants	Rs.340/- p.m.

Provided, however, that new assignment of functions under sub- item (i) from the first day of the month following the date of publication of this Scheme shall not attract any such Functional Allowance.

- NOTE 1: The number and names of persons eligible to draw the Functional Allowance shall be determined by the Chairman-cum-Managing Director or by an officer authorized by him in this behalf, depending upon the load of work and administrative requirements.
- NOTE 2: An employee shall draw only one Functional Allowance at a time.
- NOTE 3: An employee proceeding on leave shall be paid the Functional Allowance during his leave period other than periods of extra ordinary leave, provided that he resumes work in the same position on the expiry of his leave.
- NOTE 4: No employee shall, as a matter of right, claim to be allotted a particular portfolio of work in order to avail of the Functional Allowance attaching to that position or post.
- NOTE 5: No employee shall refuse to work in a position carrying a Functional Allowance or make it a condition that he be paid such allowance where, because of absence of the incumbent or temporary pressure of work, the employee is assigned such work by the Head of his Office.

III. DEARNESS ALLOWANCE:

- (1) The rate of dearness allowance applicable to the employees shall be determined as under:-

Index : All India Average Consumer Price Index for Industrial Workers

Base : Index No.2328 in the series 1960 = 100

Rate : For every four points in the quarterly average of the All India Consumer Price Index above 2328 points, employees shall be paid dearness allowance at the rate of 0.18 per cent of basic salary.

Revision of dearness allowance: Revision of dearness allowance may be made on quarterly basis for every four points rise or fall.

- (2) There shall be an upward revision of the dearness allowance payable for every four points rise in the quarterly average (hereinafter referred to as the "current average figure") of the All India Consumer Price Index above 2328 points in the sequence 2328-2332-2336-2340 and so on and there shall be downward revision of the dearness allowance payable if the current average figure falls below the index figure in the above sequence with reference to which the dearness allowance has been paid for the last preceding quarter. On the downward revision, the dearness allowance payable shall correspond to the current average figure if such current average figure is a figure in the above sequence and if such current average figure is not a figure in the above sequence the dearness allowance payable shall correspond to the figure in the above sequence immediately preceding the current average.
- (3) The final index figures as published in the Indian Labour Journal or the Gazette of India, whichever publication is available earlier, shall be the index figure which shall be taken for the purpose of calculation of dearness allowance.
- (4) The revision in dearness allowance corresponding to the changes in the current average figure for any particular quarter shall take effect only from the second succeeding month following the end of the quarter.

Explanation: For the purpose of this item, 'quarter' shall mean a period of three months ending on the last day of the month of March, June, September or December.

IV. ALLOWANCE FOR TECHNICAL QUALIFICATIONS:

With effect from the 1st day of August, 2002, the Allowance for technical qualifications shall be paid as under :-

- (1) A confirmed employee who qualifies or has qualified in an examination mentioned in column (1) of the table below shall be paid with effect from the date of publication of the results of the examination, or with effect from the date of publication of this Scheme, whichever is later, the allowance for technical qualifications mentioned in column (2) of the table below: -

Provided that not more than one allowance for technical qualification shall be permissible to him.

Table

Examination (1)	Allowance for Technical Qualification (per month)	
	(2) Revised	(3) As per Altered Terms
Insurance Institute of India Or Chartered Insurance Institute: On completion of: i) Licentiate ii) Associateship iii) Fellowship	Rs.115/- Rs.325/- Rs.545/-	Rs. 48/- Rs. 144/- Rs. 240/-
Institute of Actuaries: iv) On passing each subject	Rs.115/-	Rs. 48/-
Institute of Chartered Accountants or Institute of Cost and Works Accountant: On completion of: v) Intermediate Examination vi) Final Group A or Group B vii) Final Group A and Group B	Rs.235/- Rs.400/- Rs.545/-	Rs. 96/- Rs. 180/- Rs. 240/-
viii) On completion of Master of Business Administration of a recognised University or Institution (AICTE approved course)	Rs.545/-	Rs. 240/-

- (2) The grant of allowance for technical qualifications shall not affect the seniority of the employee concerned.
- (3) Where the employee has already been given an advance increment or any other recurring monetary benefit for having qualified in any of the said examinations, the amount of allowance for technical qualification shall be suitably reduced or may not be admissible depending on the quantum of benefit already received.
- (4) Such employee on completion of service of one year after reaching the maximum of the scale shall receive the allowance for technical qualification amounting to not less than one-half of the full rate and after a further service of one year, the said allowance for technical qualification shall be paid in full.
- (5) The revised allowance for technical qualifications as mentioned in column (2) of the Table above shall not count for the purpose of any allowance. However, the said revised allowance to the extent of the amount as per the Altered Terms indicated in column (3) of the table above against each examination shall count for the purpose of Provident Fund, Pension and Fixation on promotion from Class III to Class I cadre till the last day of the month of publication of this Scheme. Further, the said amount indicated in the column (3) of the table above along with dearness allowance thereon as on the 22nd June, 2000 as per the Altered Terms (Sixth Schedule) shall count for the purpose of Gratuity and Encashment of Earned Leave till the last day of the month of publication of this Scheme.
- (6) With effect from the 1st day of the month following the date of publication of this Scheme, the revised allowance for technical qualification as mentioned in column (2) of the table above, or any part thereof, shall not count for the purpose of any allowance or for any service or terminal benefit.

Explanation: For the purpose of clause (viii) of sub-item(1), "recognised University or Institution" shall mean a University or Institution recognized by the University Grants Commission.

V. GRADUATION ALLOWANCE :**(1) GRADUATION INCREMENTS OR ALLOWANCE TO EMPLOYEES IN THE SCALE OF ASSISTANT.**

With effect from the 1st day of August, 2002, the Graduation Increments / Allowance to employees in the scale of Assistant shall be paid as under: -

(a) An employee who is appointed or promoted to any post in the scale of Assistant and who has qualified as a Graduate of a recognised University on or after the 1st day of January 1973, and has not reached the maximum of the scale shall be granted two increments in the scale with effect from the publication of results of the examination, or 1st day of the month following the publication of this Scheme, or the date of appointment in the scale of Assistant, whichever is later, provided that he has not already received graduation increment or qualification pay for having qualified as such graduate or any advance increment on appointment, otherwise than by way of protection of emoluments granted to ex-servicemen:

Provided that if an employee entitled to increments for graduation is drawing **Basic Salary of Rs 13110/-**, only one increment for graduation shall be granted to him.

(b) an employee in the scale of Assistant who is a graduate of a recognised University and has reached the maximum of the scale shall be paid revised Graduation Allowance with effect from the 1st day of August, 2002, as per column (iv) of the table below :-

Table

Stage	Graduation Allowance per month as per Altered Terms (Sixth Schedule)	Pre-revised Graduation Allowance per month (Seventh Schedule)	Revised Graduation Allowance per month with effect from 01-08-2002
(i)	(ii)	(iii)	(iv)
One year after reaching the maximum of the scale	Rs. 78/-	Rs. 145/-	Rs.200/-
Two years after reaching the maximum of the scale	Rs. 156/-	Rs. 285/-	Rs.350/-

(c) The revised Graduation Allowance as shown in column (iv) of the table above shall not be treated as part of basic salary. However, the revised Graduation Allowance, to the extent of the amount as shown in column (ii) above shall count for Provident Fund, Pension and Fitment on Promotion till the last day of the month of publication of this Scheme. Further, the said amount as shown in column (ii) of the table above along with dearness allowance thereon as on the 22nd June, 2000 as per the Altered Terms (Sixth Schedule) shall rank for Gratuity and Encashment of Earned Leave till the last day of the month of publication of this Scheme.

(d) From the first day of the month following the date of publication of this Scheme, the Graduation Allowance, or any part thereof, shall not count for the purpose of any Allowance or for any service or terminal benefit:

Provided that no Graduation Allowance shall be paid to any Assistant qualifying as graduate after the 31st July, 2007.

365967/05-6

(2) GRADUATION ALLOWANCE TO RECORD CLERKS:

Graduation Allowance to employees in the scale of Record Clerks shall be paid as under: -

An employee in the scale of Record Clerk, who has qualified as Graduate of a recognised University shall be paid Graduation Allowance of Rs.135/- p.m. with effect from the date of publication of results of the examination or, from the date of promotion as Record Clerk or, the first day of August, 2002, whichever is later:

Provided that no Graduation Allowance shall be paid to any Record Clerk qualifying as graduate after the 31st July, 2007.

Note : The Graduation Allowance payable to employees in the scale of Record Clerk shall not be treated as Special Allowance nor shall it be treated or counted as basic Salary for any purpose and it shall be withdrawn on promotion of the employee.

Explanation: For the purpose of this item "recognized university" means a University recognized by the University Grants Commission.

VI. HOUSE RENT ALLOWANCE:

(1) With effect from the 1st day of August, 2002, House Rent Allowance payable to Supervisory, Clerical and Subordinate Staff employees shall be as shown in the Table below:-

Table

Sl. No.	Place of posting (1)	Rate per month (2)
1.	Cities of Mumbai, Navi Mumbai, Calcutta, New Delhi, Faridabad, Ghaziabad, NOIDA, Gurgaon, and Chennai	10% of pay, subject to maximum of Rs.1600/- per month
2.	Cities with population exceeding 12 lacs, except cities mentioned at serial number 1, Gandhinagar and all cities in the State of Goa	8% of pay, subject to maximum of Rs.1350/- per month
3.	All other places	7% of pay, subject to maximum of Rs.1300/- per month

Note 1: For the purpose of this item, the population figure shall be those in the latest Census Report.

Note 2: Cities shall include their Urban Agglomerations.

Note 3: 'Pay' means basic salary and stagnation increments as per sub-paragraph 2 of paragraph 7

Note 4: Payment of House Rent Allowance to employees transferred under the Transfer and Mobility Policy under Paragraph 18 shall be subject to provisions of sub-paragraph (1), clause (c) of the said paragraph.

(2) Employees who are allotted residential accommodation or staff quarters, shall not be entitled to any House Rent Allowance, but they shall pay to the Corporation or Company, for such accommodation, the appropriate License Fee as may be decided by the Board of the Corporation or Company from time to time. Provided that an employee who has been allotted residential accommodation/staff quarters before the 1st day of April, 1983, and who has been in receipt of House Rent Allowance as on date immediately preceding the date of publication of this Scheme in terms of item VI of the Fourth Schedule of the said Scheme shall continue to receive such House Rent Allowance so long as he continues to occupy the same residential accommodation or staff quarters allotted by the Corporation or Company.

VII. CITY COMPENSATORY ALLOWANCE:

With effect from the 1st day of August 2002, the City Compensatory Allowance payable to Supervisory, Clerical and Subordinate Staff employees shall be as under:-

Sl. No.	Place of posting (1)	Rate per month (2)
1.	Cities of Mumbai, Navi Mumbai, Calcutta, New Delhi, Faridabad, Ghaziabad, NOIDA, Gurgaon, and Chennai	3% of pay subject to minimum of Rs.160/- per month and maximum of Rs.370/- per month
2.	Cities with population exceeding 12 lacs, except cities mentioned at serial number 1, Gandhinagar and all cities in the State of Goa	2.5% of pay subject to minimum of Rs.135/- per month and maximum of Rs.340/- per month
3.	Cities with the population of 5 lacs and above but not exceeding 12 lacs, State capitals with population not exceeding 12 lacs, Chandigarh, Mohall, Pondicherry, Port Blair, Panchkula	2% of pay subject to minimum of Rs.100/- per month and maximum of Rs.270/- per month

Note 1: For the purpose of this item, the population figure shall be as per the latest Census Report.

Note 2: Cities shall include their Urban Agglomerations.

Note 3: 'Pay' means basic salary and stagnation increments as per sub-paragraph (2) of paragraph 7.

Note 4: Payment of City Compensatory Allowance to employees transferred under the Transfer and Mobility Policy under Paragraph 18 shall be subject to provisions of sub-paragraph (1), clause (c) of the said paragraph.

VIII. HILL STATION ALLOWANCE:

With effect from the 1st day of the month following the date of publication of this Scheme, the Hill Station Allowance payable to Supervisory, Clerical and Subordinate Staff employees shall be as under:-

Sl. No.	Place of posting (1)	Rate per month (2)
1.	Posted at places situated at a height of 1500 metres and over above mean sea level	2.5% of the Basic Salary subject to maximum of Rs.270/- per month
2.	Posted at places situated at a height of 1000 metres and over, but less than 1500 metres above mean sea level, at Mercara and at places which are specifically declared as "Hill Stations" by Central/State Governments for their employees	2% of the Basic Salary subject to maximum of Rs.210/- per month
3.	Posted at places situated at a height of not less than 750 meters above mean sea level which are surrounded by and accessible only through hills with a height of 1000 metres and over above mean sea level	2% of Basic Salary subject to a maximum of Rs.210/- per month

IX. KIT ALLOWANCE:

Employees transferred to any of the hill stations listed in item VIII of this Schedule shall be paid a Kit Allowance of Rs.500/-. The Kit Allowance shall not be payable on transfer from one hill station to another if the same was drawn at any time during the preceding three years.

X. FIXED PERSONAL ALLOWANCE:

With effect from the 1st day of August, 2002, the Fixed Personal Allowance payable to employees on account of computerisation shall stand revised as shown in column (2) of the Table given below:-

Table

Sl. No.	Employees in the Scale of Pay (as on 1.11.1993) of	Revised Fixed Personal Allowance (FPA)	Increment portion of Fixed Personal Allowance as per the Altered Terms (Sixth Schedule)	Dearness Allowance on Increment portion of Fixed Personal Allowance as per the Altered Terms as on 01-11-1993
	(1)	(2)	(3)	(4)
		Rs.	Rs.	Rs.
1.	Senior Assistant	540	230	18.68
2.	Stenographer	540	230	18.68
3.	Assistant, etc.	540	230	18.68
4.	Record Clerk	345	130	12.74
5.	Driver	250	100	9.80
6.	Other Subordinate Staff	250	100	9.80

Note: The revised Fixed Personal Allowance (FPA) as shown in column (2) of the table above shall not qualify for any Allowance or for any service/terminal benefits. However, the increment portion of FPA as per the Altered Terms as shown in column (3) of the table above shall rank for Provident Fund and Pension, and the said increment portion along with Dearness Allowance thereon as on the 1st November, 1993, as shown in column (4) of the table above shall rank for Gratuity and Encashment of Earned Leave.

XI. TRANSPORT ALLOWANCE:

With effect from the 1st day of August, 2002, the Conveyance Allowance payable to employees at the rate of Rupees Seventy Five per month as per Item XII of the Seventh Schedule shall stand revised to Rupees One Hundred and Fifty per month, and shall be renamed as 'Transport Allowance'.

XII. PARADEEP PORT ALLOWANCE:

With effect from the 1st day of the month following the date of publication of this Scheme or date of appointment, whichever is later, every confirmed employee posted in the office of the Company in Paradeep Port shall be paid an allowance of Rupees Seventy Five per month so long as he is posted in that office. This allowance shall not be treated as basic salary for any purpose."

[F. No. 2(4)/2005-Ins. III (ii)]

G. C. CHATURVEDI, Jt. Secy. (Banking & Insurance)

EXPLANATORY MEMORANDUM

1. The Central Government has accorded approval to revise the Scales of Pay and conditions of service of employees in the Corporation and Companies with effect from the dates specified in the notification. The General Insurance (Rationalisation and Revision of Pay Scales and Other Conditions of Service of Supervisory, Clerical and Subordinate Staff) Scheme, 1974 is amended accordingly with effect from the dates as specified in the notification.

2. It is certified that no employee of the Corporation or Companies is likely to be affected adversely by the notification being given retrospective effect.

NOTE :- The Principal Scheme was published vide Notification No.S.O.326(E) dated 27th May, 1974 and subsequently amended vide notifications No. S.O. 472(E) dated 5th September 1975, S.O. 5415 dated 22nd December 1975, S.O 390(E) dated 1st June 1976, S.O 4466 dated 11th November 1976, S.O 2443 dated 30th July 1977, S.O 1046 dated 29th March 1978, S.O 1049 dated 29th March 1978, S.O 1410 dated 26th April 1978, S.O 3429 dated 16th November 1978, S.O 314(E) dated 12th May 1980, S.O 729 (E) dated 21st September 1984, S.O 769(E) dated 15th October 1985, S.O 884(E) dated 9th December 1985, S.O 729(E) dated 3rd October 1986, S.O 441(E) dated 27th April 1987, S.O 1038 (E) dated 7th December 1987, S.O 780(E) dated 22nd August 1988, S.O 783(E) dated 22nd August 1988, S.O 1160(E) dated 9th December 1988, S.O 180(E) dated 10th March 1989, S.O 356(E) dated 12th May 1989, S.O 405(E) dated 24th May 1990, S.O 542(E) dated 6th July 1990, S.O 593(E) dated 27th July 1990, S.O 754 dated 4th October 1990, S.O 797(E) dated 25th November 1991, S.O 909(E) dated 23rd December 1991, S.O 83 dated 2nd February 1994, S.O 594(E) dated 30th June 1995, S.O 139 (E) dated 22nd February 1996, S.O 759(E) dated 1st November 1996, S.O 465 (E) dated 27th May, 1998, S.O 731(E) dated 27th August, 1998, S.O 694(E) dated 30th August, 1999, S.O 589(E) dated 22nd June, 2000, S.O 782 (E) dated 30th August, 2000, S.O.225(E) dated 15th March, 2001 and S.O 633(E) dated 4th May, 2005.
